राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 27 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–182 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

मानसून सत्र- 7वें दिन भी संसद की कार्रवाई हंगामें की भेंट चढ़ी, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली । देश की संसद में चल रहे मानसून सत्र में मंगलवार को 7वें दिन भी दोनों सदनों की कार्रवाई हंगामें की भेंट चढ़ गई। रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि और जीएसटी वृद्धि के मुद्दे पर तत्काल चर्चा के लिए विपक्ष की मांग पर दोनों सदनों में गतिरोध के रूप में संसद की कार्यवाही मंगलवार सुबह भी शुरू होने के साथ ही ठप हो गई। लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों में कार्यवाही शुरू होने के साथ विपक्षी सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करनी शुरू कर दी, जिसके बाद कार्यवाही स्थगित कर दी गई। एक दिन पहले आदिवासी समुदाय से देश की पहली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण समारोह के बाद दोपहर 2 बजे दोनों सदनों की बैठक हुई। वह देश में शीर्ष संवैधानिक पद संभालने वाली दूसरी महिला भी हैं। हालांकि, रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि और जीएसटी वृद्धि के मुद्दे पर तत्काल चर्चा के लिए विपक्ष की मांग पर दोनों सदनों में गतिरोध के रूप में संसद की कार्यवाही सोमवार को ठप रही। कांग्रेस के 4 सदस्यों को बाकी सत्र के लिए लोकसभा में व्यवधान पैदा करने के लिए निलंबित कर दिया गया। गत 18 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र के दौरान अब तक संसद में विशेष कामकाज नहीं हो सका है। महंगाई, बेरोजगारी और अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना सहित कई मुद्दों पर केंद्र को घेरने के लिए विपक्ष सदन में चर्चा की मांग कर रहा है। चर्चा नहीं होने की स्थिति में विपक्षी दलों द्वारा किए गए हंगामे के बाद पिछले सप्ताह भी दोनों सदनों में अचानक व्यवधान और स्थगन देखा गया था।

केंद्रीय मंत्री का आरोप, विपक्ष चर्चा से भाग रहा, सरकार सभी मुददों पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली । संसद का मानसून सत्र काफी हंगामेदार हो रहा है। सातवें दिन भी जमकर हंगामा हुआ और राज्यसभा के 19 विपक्षी सांसदों पर गाज भी गिरी। बता दें कि विपक्षी सांसद जीएसटी, महंगाई सहित कई अन्य मुद्दों को लेकर सदन में जमकर हो-हल्ला मचा रहे हैं। इसकारण सदन की कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। इस बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष पर सदन को सुचारू ढंग से नहीं चलने देने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है। सरकार सदन में महंगाई को लेकर भी चर्चा कराना चाहती है और बताना चाहती है कि कैसे बाकी देशों के मुकाबले भारत में महंगाई कम रही है। उन्होंने कहा कि हम भी सदन में बताना चाहते हैं कि कैसे जीएसटी काउंसिल में आप, कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी, डीएमके, टीआरएस ने मिलकर सर्वसम्मति से जो निर्णय लिए उस पर भी सदन नहीं चलने दे रहे हैं। विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, क्योंकि वह अपनी जिम्मेदारियों में विफल रहा है। लोकसभा के 4 सदस्यों को सोमवार को मौजूदा सत्र की शेष अवधि से निलंबित करने के एक दिन बाद मंगलवार को राज्यसभा के 19 विपक्षी सांसदों पर भी गाज गिरी।

बिहार में बारिश के दौरान बिजली गिरने से 20 की मौत, मौसम विभाग ने मेघ गर्जन और वज्रपात को लेकर जारी किया अलर्ट

पटना : बिहार के सात जिलों में सोमवार की देर शाम से मंगलवार तक वज्रपात से 20 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने बुधवार को राजधानी पटना समेत बिहार के सभी जिलों के एक से दो स्थानों पर हल्की वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है। इसके साथ ही वज्रपात की भी संभावना जताई है। इधर, मुख्यमंत्री ने वज्रपात की घटनाओं पर शोक संवेदना व्यक्त की है। जान गंवाने वालों के आश्रितों को तत्काल चार-चार लाख रुपये के अनुग्रह अनुदान का सीएम ने निर्देश दिया। वज्रपात से कैमूर में सात, भोजपुर में चार, पटना में चार, जहानाबाद में एक, रोहतास में एक, औरंगाबाद में एक, अरवल में एक तथा सिवान में एक की मौत हुई है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस आपदा की घड़ी में वह प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

एक दिन पहले वज्रपात से सात की हुई थी मौत

विदित हो कि सोमवार को वर्षा के दौरान वज्रपात की अलग-अलग घटनाओं में प्रदेश में सात लोगों की मौत हो गई थी। आकाशीय बिजली का शिकार होने वाले लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं। भोजपुर जिले में सहार थाना क्षेत्र के ननौर गांव में वज्रपात की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत हो गई थी जबकि, तीन अन्य घायल हो गईं। उधर, कैमूर जिले के भभुआ, सोनहन व चैनपुर थाना क्षेत्र के क्रमश- रामपुर, महुअत व परसियां गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। औरंगाबाद के ओबरा प्रखंड के खुदवां थाना क्षेत्र के पंचहरा गांव निवासी सुदर्शन शर्मा के पुत्र अरविंद सिंह उर्फ अर्जुन की जान भी वज्रपात की चपेट में आने से चली गई थी। वहीं, आकाशीय बिजली की चपेट में आने से रोहतास के तिलौथू थाना के बाराडीह गांव के खेत में एक महिला मजदूर की मौत हो गई थी। इसी तरह कोचस के गारा में एक ही परिवार की पांच महिलाएं सहित छह लोग जख्मी हो गए थे।

चुनावों के दौरान मुफ्त सुविधाएं देने की घोषणाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी, कहा- ऐसे वादों पर लगाम लगाए केंद्र

नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से चुनावों के दौरान मुफ्त सुविधाएं बांटने की प्रथा पर लगाम लगाने के लिए कहा है। कोर्ट ने कहा है कि राजनीतिक दलों द्वारा सार्वजनिक धन से तर्कहीन मुफ्त सुविधाएं देने के वादों पर नियंत्रण होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमणा की तीन जजों की बेंच ने केंद्र से सवाल किया है कि क्या इस मुद्दे पर वित्त आयोग के सुझाव मांगे जा सकते हैं। सुनवाई के दौरान, ष्टछ्वढ्ढ ने चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा सुविधाएं दिए जाने के मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से भी राय मांगी है। जिसपर सिब्बल ने कहा का यह एक गंभीर मुद्दा है। लेकिन राजनीतिक रूप से नियंत्रित करना मुश्किल है। वित्त आयोग जब विभिन्न राज्यों का आवंटन करता है, तो वो राज्य के कर्ज और मुफ्त सुविधाओं को ध्यान में रख सकते हैं। वित्त आयोग इससे निपटने के लिए उपयुक्त विभाग है। हम इस समस्या से निपटने के लिए आयोग की मदद ले सकते हैं। इस संबंध में केंद्र से निर्देश जारी करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। सिब्बल के सुझावों पर कोर्ट ने मामले में सरकार के ओर से पेश सालिसिटर जनरल केएम नटराज से आयोग की राय जानने के लिए कहा है। बता दें, शीर्ष अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें चुनाव चिन्हों को जब्त करने और उन राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। जिन्होंने सार्वजनिक धन से तर्कहीन मुफ्त उपहार बांटने का वादा किया गया था। सुनवाई के दौरान, भारतीय चुनाव आयोग की ओर से पेश अधिवक्ता अमित शर्मा ने शीर्ष अदालत को बताया कि पिछले फैसलों में कहा गया है कि घोषणापत्र राजनीतिक दल के वादों का हिस्सा है। उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्र सरकार इस मुद्दे से निपटने के

लिए एक कानून ला सकती है। जिसपर सरकार की ओर से पेश सालिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि यह चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है।

रक्षा मंत्रालय ने 28 हजार करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों और हथियारों की खरीद को मंजूरी दी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्रालय ने 28 हजार करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों और हथियारों की खरीद को मंजूरी दे दी है। इनमें स्वार्म ड्रोन, कार्बाइन और बुलेटप्रूफ जैकेट आदि शामिल है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा खरीद परिषद ने इन प्रस्तावों को मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''सशस्त्र बलों के 28,732 करोड़ रुपये के पूंजीगत खरीद प्रस्तावों के लिए स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) को डीएसी ने मंजूरी दे दी है।'' मंत्रालय ने कहा कि ''पारंपरिक और हाइब्रिड युद्ध के मौजूदा जटिल प्रतिमान'' का मुकाबला करने के लिए चार लाख क्लोज क्वार्टर बैटल कार्बाइन खरीदने की स्वीकृति दी गई है। बयान में कहा गया, ''यह कदम भारत में छोटे हथियार निर्माण उद्योग को एक बड़ा प्रोत्साहन प्रदान करेगा और छोटे हथियारों के निर्माण में आत्मनिर्भरता को बढ़ाएगा।'' मंत्रालय ने कहा, ''नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात हमारे सैनिकों के समक्ष दुश्मन के खतरे के चलते सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, और आतंकवाद विरोधी परिदृश्य में कॉम्बैट अभियानों के मद्देनजर डीएसी ने भारतीय मानक बीआईएस-छह स्तर की सुरक्षा के साथ बुलेटप्रूफ जैकेट के लिए एओएन को मंजूरी दी है।''

राज्यसभा में हंगामे को लेकर 19 सांसदों को सदन से एक हफ्ते के लिए सस्पेंड किया गया

नई दिल्ली ।

मॉनसून सत्र में महंगाई, बेरोजगारी, जीएसटी और जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर विपक्ष का हंगामा जारी है। हंगामे के चलते मंगलवार को राज्यसभा के 19 सांसदों को सदन से एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। इसके पहले सोमवार को कांग्रेस के चार सांसदों को सस्पेंड कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि ये राज्यसभा सांसद सदन के वेल में प्रवेश करने और नारेबाजी करने के लिए एक हफ्ते के लिए निलंबित किए गए हैं। वहीं मोदी सरकार का आरोप है कि विपक्ष संसद की कार्यवाही में बाधा डाल रहा है। जबकि विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार इन मुद्दों पर चर्चा से भाग रही है। राज्यसभा में हंगामे को लेकर विपक्षी सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इन सांसदों में तृणमूल सांसद सुष्मिता देव, डॉ शांतनु सेन और डोला सेन, शांता छेत्री, मोहम्मद अब्दुल्ला, एए रहीम, एल यादव और वी वी. शिवादासन, अबीर रंजन विश्वास, नदीमुल हक शामिल हैं। इसके पहले सोमवार को भी लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने महंगाई और जीएसटी की बढ़ती दरों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। लोकसभा में हंगामा करने को लेकर कांग्रेस के चार सांसदों को कार्रवाई की गई। मणिक्कम टैगोर, टीएम प्रतापन, ज्योतिमणी, रम्या हरिदास को इस पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया।

पीएम विकास पैकेज के तरह 5,502 कश्मीरी पंडितों को दी गई नौकरी, 6000 ट्रांजिट आवास के निर्माण को दी मंजूरी

-गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने संसद को दी जानकारी

नई दिल्ली । देश के गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि पीएम के विकास पैकेज के तहत 5,502 कश्मीरी प्रवासियों को सरकारी नौकरी दी गई है। सरकार ने घाटी में जम्मू-कश्मीर सरकार के विभिन्न विभागों में लगे हुए कश्मीरी प्रवासी कर्मचारियों के लिए 6000 ट्रांजिट आवास के निर्माण को मंजूरी दी है। लोकसभा में यह जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने घाटी में कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए हैं। इनमें मजबूत सुरक्षा और खुफिया ग्रिड, आतंकवादियों के खिलाफ सक्रिय अभियान, उन इलाकों में सघन गश्त करना, जहां कश्मीरी पंडित रहते हैं, आदि उपाय शामिल हैं। गृहराज्य मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कश्मीर घाटी में एक कश्मीरी पंडित की हत्या के विरोध में प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत काम करने वाले किसी भी कश्मीरी पंडित ने हाल ही में इस्तीफा नहीं दिया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक सवाल के लिखित जवाब में जानकारी दी। उन्होंने कहा भारत सरकार ने सात नवंबर 2015 को घोषित प्रधानमंत्री विकास पैकेज, 2015 (पीएमडीपी-2015) के तहत कश्मीर घाटी के विभिन्न जिलों में नियुक्त होने वाले कश्मीरी प्रवासी कर्मचारियों के लिए 6000 ट्रांजिट आवास के निर्माण का अनुमोदन प्रदान किया। उन्होंने कहा उनमें से 1025 इकाइयों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है या पूरा होने वाला है वहीं 1872 इकाइयां निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। राय ने एक अन्य सवाल के जवाब में बताया कि सरकार ने 2019-20, 2020-21 और 2021-2022 (जून 2022 तक) के दौरान सडकों, रेलवे, स्कूल व कॉलेज, खेल के मैदानों, भवनों, मृदा अपशिष्ट प्रबंधन, सीमा चौकियों, औद्योगिक सम्पदाओं आदि जैसे विभिन्न सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए जम्मू कश्मीर में 2359.45 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की है।

आम के आम गुठलियों के भी दाम, अब दूध ही नहीं किसानों से अच्छे दामों पर गोबर भी खरीदेगी एनडीडीबी

नई दिल्ली ।

किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें तरह-तरह के उपाय कर रही हैं। ऐसे ही उपाय के तहत नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड की कंपनी अब दूध के साथ गोबर भी खरीदेगी। गाय-भैंस के गोबर का बिजली बनाने, गैस बनाने और जैविक खाद बनाने में इस्तेमाल किया जाएगा। अब तक जिस गोबर का किसान को कोई मूल्य नहीं मिलता था, अब वह भी आय का साधन बन जाएगा। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने इस काम को आगे बढ़ाने के लिए एनडीडीबी की एक सब्सिसिडयरी कंपनी एनडीडीबी मृदा लिमिटेड की शुरूआत की है। इसी कंपनी के द्वारा किसानों से गोबर खरीदा जाएगा। कंपनी इससे बिजली, गैस और जैविक खाद बनाने में इस्तेमाल करेगी। कंपनी की शुरुआत के मौके पर रूपाला ने कहा एनडीडीबी मृदा लिमिटेड डेयरी किसानों को घोल/गोबर की बिक्री से अतिरिक्त आय के रास्ते खोलेगी। इस पहल से गोबर गैस मिलेगी, जिससे घर में खाना बनेगा। घर में ही बायोगैस मिलने से किसानों का ईंधन के मद में होने वाले खर्च की बचत होगी। इस परियोजना को व्यापक रूप से शुरु करने से पहले इसका छोटे स्तर पर टेस्ट किया जा चुका है। गुजरात में आणंद के पास जकरियापुरा और मुचकुआ गांव में परीक्षण किया जा चुका है। वहां परीक्षण सफल पाया गया। इस प्रोडक्ट का कारोबार सुधन के नाम से किया जाएगा।

केंद की फार्मा कंपनियों के साथ बैठक, महंगी दवाओं की कीमत हो सकती हैं कम

नई दिल्ली ।

लोगों को आसानी से अच्छी और सस्ती दवाएं मिले इसके लिए केंद्र सरकार पिछले काफी वक्त से प्रयासरत है। इस बीच केंद्र ने फिर से फार्मा कंपनियों के साथ दवाओं की कीमतों को लेकर बड़ी बैठक की है। सूत्रों की मानें तब बैठक में केंद्र और कंपनियों के बीच में दवाओं के मार्जिन को लेकर बातचीत हुई है। महंगी दवाओं की पुहंच आम जनता तक आसान बनाने के लिए मोदी सरकार लगातार प्रयासरत है। केंद्र और फॉर्मा इंडस्ट्री के साथ करीब 3 घंटे तक बैठक चली। जानकारी के मुताबित दवा कंपनियां दवाओं पर मार्जिन कैपिंग लागू करने के सरकार के फैसले को मान गई हैं। लोगों पर दवाओं का बोझ कम हो इस दिशा में केंद्र काफी लंबे वक्त से प्रयासरत है। चरणबद्ध तरीके से ट्रेड मार्जिन पर नियंत्रण लगाया जाएगा। बताया जा रहा है कि केंद्र पहले चरण में हृदय रोग और शुगर की दवाओं में इस लागू करेगी। सरकार और फॉर्मा इंडस्ट्री दोनों ने ही एक दूसरे के

सामने अपनी अपनी कुछ मांगे रखी हैं। फॉर्मा इंडस्ट्री ने एक मोलिक्यूएल, एक प्राइस की मांग केंद्र से की है, जबकि वहीं सरकार एपीएल के लिए पीएलआई में कुछ बदलाव करने के मूड में नजर आ रही है। केंद्र सरकार दवा कंपनियों को एक बड़ी राहत दे सकती है। सूत्रों के अनुसार केंद्र कंपनियों को आधुनिककरण के लिए मशीन मंगाने पर छूट देने का विचार कर सकती है।

न्यूड फोटोशूट को लेकर बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के खिलाफ मुंबई में केस दर्ज

मुंबई । मुंबई पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रसारित आपत्तिजनक तस्वीरों को लेकर बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जानकारी के अनुसार रणवीर के खिलाफ मुंबई के चेंबूर पुलिस थाने में एनजीओ की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अपनी न्यूड तस्वीरों को पोस्ट किया था। इस लेकर एनजीओ ने चेंबूर पुलिस थाने में वकील के जरिए लिखित शिकायत की थी। एफआईआर पर मुंबई पुलिस ने बताया है कि अभिनेता रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी शर्टलेस तस्वीरें पोस्ट कीं और उन्हें एक पेपर पत्रिका के लिए बड़ी रकम कमाने और समाज के युवाओं को भ्रष्ट करने या समाज को खराब करने की कोशिश करने के इरादे से शूट किया। साथ ही उनके कृत्य से महिलाओं के मन में शर्मिंदगी हुई। बता दें कि पुलिस अधिकारी ने बताया था कि एनजीओ के पदाधिकारी ने कहा है कि अभिनेता ने अपनी तस्वीरों से महिलाओं की भावनाओं को आहत किया और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई है। शिकायतकर्ता ने अभिनेता के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी कानून और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की मांग की थी।

धनशोधन मामला

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईडी के समक्ष दर्ज कराया अपना बयान

दो पाली में हुई सोनिया गांधी से पूछताछ

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने समाचार पत्र 'नेशनल हेराल्ड' से जुड़े कथित धनशोधन मामले में दूसरी बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष मंगलवार को अपना बयान दर्ज कराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोनिया करीब ढाई घंटे चली पूछताछ के बाद दोपहर के भोजन के लिए ईडी के कार्यालय से बाहर निकलीं और उसके बाद फिर कार्यालय पहुंची। इसके पहले सोनिया 'जेड प्लस' सुरक्षा में अपने बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ 11 बजे संघीय एजेंसी के कार्यालय पहुंची थीं। प्रियंका ईडी के कार्यालय में ही रुकी रहीं, वहीं राहुल तुरंत वहां से निकल गए। राहुल ने राष्ट्रपति भवन के पास विजय चौक पर प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

ईडी अधिकारियों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष दोपहर करीब दो बजे ईडी कार्यालय से निकलीं थी और दोपहर करीब साढ़े तीन बजे दोबारा पहुंचीं। अधिकारियों ने बताया कि प्रियंका गांधी ईडी कार्यालय के एक अन्य कमरे में रुकीं, ताकि जरूरत पड़ने पर वह अपनी मां से मिलकर उन्हें दवाएं या चिकित्सा सहायता मुहैया करा सकें। ऐसा माना जा रहा है कि समन के सत्यापन, उपस्थिति पत्र पर हस्ताक्षर करने सहित शुरुआती औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सोनिया गांधी से पूर्वाह्न करीब सवा 11 बजे पूछताछ शुरू की गई। सोनिया गांधी (75) से पहली बार 21 जुलाई को मामले में दो घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। सोनिया गांधी ने तब एजेंसी के 28 सवालों के जवाब दिए थे।

वर्ष 2013 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी की एक निजी आपराधिक शिकायत के आधार पर 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' के खिलाफ निचली अदालत ने आयकर विभाग की जांच का संज्ञान लिया था। ईडी ने पिछले साल के अंत में धन शोधन रोकथाम कानून के आपराधिक प्रावधानों के तहत एक नया मामला दर्ज करने के बाद गांधी परिवार से पूछताछ शुरू की। सोनिया और राहुल गांधी यंग इंडियन के प्रवर्तकों और बहुलांश शेयरधारकों में से हैं। अपने बेटे की तरह कांग्रेस अध्यक्ष के पास भी 38 फीसदी हिस्सेदारी है।

कांग्रेस ने अपने शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ ईडी की कार्रवाई की निंदा कर राजनीतिक प्रतिशोध'' वाला कदम करार दिया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं एवं सांसदों ने सोनिया गांधी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ के खिलाफ मंगलवार को प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। राहुल गांधी और कांग्रेस के कई अन्य सांसदों ने संसद भवन से मार्च निकाला तथा वे राष्ट्रपति भवन की तरफ बढ़ने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें विजय चौक पर रोक दिया। इसके बाद इन नेताओं ने वहां धरना दिया। कांग्रेस का कहना है कि राहुल को भी हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिए जाने से पहले राहुल ने आरोप लगाया, ''मोदी जी राजा हैं और भारत में पुलिस राज है।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ। - सुभाष चंद्र बोस

संपादकीय

मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

आजादी के 75 वें साल में मैकाले की गुलामगीरी वाली शिक्षा पद्धति बदलने की शुरुआत अब मध्यप्रदेश से हो रही है। इसका श्रेय मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग को है। मैंने पिछले साठ साल में म.प्र. के हर मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि मेडिकल और कानून की पढ़ाई वे हिंदी में शुरु करवाएं लेकिन मप्र की वर्तमान सरकार भारत की ऐसी पहली सरकार है, भारत की शिक्षा के इतिहास में जिसका नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। भारत के प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री म.प्र. से प्रेरणा ग्रहण करें और समस्त विषयों की उच्चतम पढ़ाई का माध्यम भारतीय भाषाओं को करवा दें तो भारत को अगले एक दशक में ही विश्व की महाशक्ति बनने से कोई ताकत रोक नहीं सकती है। विश्व की जितनी भी महाशक्तियाँ हैं, उनमें उच्चतम अध्ययन और अध्यापन स्वभाषा में होता है। डाक्टरी की पढ़ाई मप्र में हिंदी माध्यम से होने के कई फायदे हैं। पहला तो यही कि फेल होनेवालों की संख्या एकदम घटेगी। दूसरा, छात्रों की दक्षता बढ़ेगी। 70-80 प्रतिशत छात्र हिंदी माध्यम से पढ़कर ही मेडिकल कॉलेजों में भर्ती होते हैं। इन्हें चिकित्सा-पद्धति को समझने में आसानी होगी। तीसरा, मरीज़ों की ठगाई कम होगी। चिकित्सा जादू-टोना नहीं बनी रहेगी। चौथा, मरीज़ों और डाक्टरों की बीच संवाद आसान हो जाएगा। पांचवा, सबसे ज्यादा फायदा उन गरीबों, पिछड़ों, अनुसूचितों के बच्चों को होगा, जो अंग्रेजी के चलते डॉक्टर नहीं बन पातें। मप्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास नारंग ने मेडिकल शिक्षा की किताबें हिंदी में तैयार करवाने के लिए जो कमेटी बनाई है, उससे मेरा सतत संपर्क बना रहता है। कुछ पुस्तकें मूल रूप से हिंदी में तैयार हो गई हैं और कुछ के अनुवाद भी हो गए हैं। सितंबर के आखिर में शुरु होनेवाले नए सत्र से छात्रों को हिंदी माध्यम की छूट मिल जाएगी। हिंदी की पुस्तकों में अंग्रेजी मूल तकनीकी शब्दों से परहेज नहीं किया जाएगा। जो छात्र अंग्रेजी माध्यम से पढ़ना चाहेंगे, उन्हें छूट रहेगी। मप्र के चार हजार मेडिकल छात्रों में से अब लगभग सभी स्वभाषा के माध्यम से पढ़ना चाहेंगे। यदि ऐसा होगा तो हिंदी में कई नए-नए मौलिक ग्रंथ भी हर साल प्रकाशित होते रहेंगे। यदि इस मेडिकल की पढ़ाई को और भी अधिक उपयोगी बनाना हो तो मेरा सुझाव यह भी है कि एक ऐसी नई चिकित्सा-उपाधि तैयार की जाए, जिसमें एलोपेथी, आयुर्वेद, हकीमी, होमियोपेथी और प्राकृतिक चिकित्सा के पाठ्यक्रम मिले-जुले हों ताकि मरीजों का यदि एक दवा से इलाज न हो तो दूसरी दवा से होने लगे। यदि हमारी चिकित्सा में ऐसा कोई क्रांतिकारी परिवर्तन मध्यप्रदेश की सरकार करवा सके तो अन्य प्रदेशों की सरकारें और केंद्र सरकार भी पीछे नहीं रहेगी। यह विश्व को भारत की अनुपम देन होगी। यह चिकित्सा पद्धति इतनी सुलभ और सस्ती होगी कि भारत और पड़ौसी देशों के गरीब से गरीब लोग इसका लाभ उठा सकेंगे। एक बार फिर दुनिया भर के छात्र डाक्टरी की पढ़ाई के लिए भारत आने लगेंगे, जैसे कि वे सदियों पहले विदेशों से आया करते थे।

आज के कार्टुन

भारतीय संस्कृति

श्रीराम शर्मा आचार्य

ारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा धान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को ने की परंपरा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। करता है तो ीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस ता से बगीचे की शोभा बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के संदर्भ में कार की जा सकती है। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के भी भारतीय संस्कृति का अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए के द्वार बंद हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की ता। पुनर्जन्म के सिद्धांत में जीवन को अवांछनीय माना गया है और ग की उपमा वस्त्र परिवर्तन से की गई है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। सामाजिक विरोध और राजदंड से बचने के अनेक हथकंडे अपनाकर र्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की फल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह ता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह झाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में का फल भोगना पड़ेगा। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम मिल सके हैं, उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। संचित, ब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को नाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न र्मो की उपलब्धियों से निराश। अन्य धर्म जहां अमुक मत का लंबन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता प्रधानता दी गई है। भारतीय संस्कृति ऋषि संस्कृति है, देव संस्कृति है कहते हुए हमें गर्व होता है तो आवश्यकता इस बात की भी है कि हम नी वर्तमान मान्यताओं को विकृतियों के दलदल से निकालें और प्राचीन न जैसी उच्च स्थिति में पहुंचाएं। मानवी उत्कर्ष हेतु देव मानव फिर उसी में पुन: अपनी भूमिका निभाने आगे आ सकते हैं, जैसा कि कभी युग में रहा होगा।

हिमाचल में मानसून का कहर, एक खौफनाक त्रासदी ?

(लेखक- -नरेन्द्र भारती)

हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक मानसून का कहर जारी है। प्रकृति तांडव कर रही है। 2022में खौफनाक रौद्र रुप दिखा रही है। जिंदगियां लील रही है। सैंकड़ों लोग मौत के आगोष में समा चुके है। आषियाने जमींदोज हो रहे हैं। भूस्खलन हो रहा है। कहीं पहाड़ +दरक रहे है कहीं भूस्खलन हो रहा है।इस विनाषकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। राज्य की संडकें धंस रही हैं। गांड़ियां फिसल रही है। भांबला में खुडडी नाला में एक युवक तेज बहाव में बह गया मगर लोगों ने बह रहे युवक को 200 मीटर दूर बचा लिया। युवक की स्कूटी नाले में बह गई। आनी में भी भूस्खलन से श्रध्दालुओं की कार पर पत्थर गिरने से हादसा हो गया भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए।खेत व जमीनें जलमगन हो रही हैं।मक्की व टमाटर व धान की फसल तबाह हो गई है।मवेषी व बकरियों की दबने से मौतें हो रही है।गैषाला गिरने से 2 मवेषियों व 20 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गई। मणिकर्न में पिछले दिनों बादल फटने से काफी तबाही हुई थी कुछ लोग लापता हो गए थे।मानसून का कहर लोगों को मौत बांट रहा है।जानकारी के अनुसार हिमाचल प्रदेष को अब तक 17 दिनों में 272 करोड़ का नुक्सान हो चुका है।मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक 82 लोग अपनी जान गंवा चुके है।107 लोग घायल हुए हैं।मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेष में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं।बारिष के खौफ से हर हिमाचली खौफजदा है।प्रदेष में बारिष के कारण लोकनिर्माण विभाग व जल षक्ति विभाग को करोड़ों का नुकसान हुआ है।मानसून अनमोल जिदंगियां लील रही है।नदियां व नाले में भंयकर बाढ आने से भरी नुक्सान हो रहा है।नदी-नालों का जलस्तर बढ गया है।सैलानियों को नदियों से दूर रहने की हिदायतें दी गई है।सैलानी लापरवाही कर रहे है। प्रतिदिन जानमाल का नुक्सान होता जा रहा है।गत वर्श 25 जुलाई को किन्नौर जिला में भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे।चार दिन पहले भरमौर में भी भूस्खलन के कारण कार दब गई भी और एक ही परिवार के चार लोग मारे गए थे।बारिष की तबाही से अब तक दो दर्जन लोगों की जान जा चुकी है और यह कहर जारी है। गत वर्श भी ऐसे हादसों से हिमाचल में तबाही हुई थी।गत वर्श षिमला में भूस्खलन होने से 4 लोगों की दबकर मौत हो गई थी और कुमारसैन में दो मजदूरों की मौत हो गइ थीं।नालागढ़ में भी मकान पर डंगा गिरने से 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं।गत वर्श लाहौल स्पीति में करीब 2000 पर्यटक फंसे थे।प्रदेष में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो रहे है।कुल्लु ,मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है।प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांड़व मचाया है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में प्रदेष में कई भीशण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पषुओं की दबकर मौत हो गइ थीं।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिशिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाषे मलवे में दफन हो गई है।किन्नौर में पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा षिविर लगाकर महानगरों, षहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।देष में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है।हर राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीशण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिष में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। पिछले साल बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए थे।अगर यह मलवा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते।इससे पहले 2017वर्श की12 अगस्त की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाषों के ढेर लग गए लाषों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था।पठानकोट -मंडी नेषनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटड़ा जा रही दो बसें दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए। बसों में लाषे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाष होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-संम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे।हर तरफ लाषें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोष में समा गए बसें जमीदोज हो गई थी । 46 षव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आषियाने धरासाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी।अभागे यात्री अपने गतब्य पर पहुचने से पहले ही हादसे का षिकार हो गए थे।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेष वासियों को कभी नहीं भूलेगी।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। देष में कभी भूकंप, तो कभी बाढ़ जैसे आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है।लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होष आता समय-समय पर भीशण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते।हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविश्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है।

बेटी को सम्मान, हरीतिमा का आह्वान

दीपिका अरोड़ा

महिला सशक्तीकरण एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी जन-जागृति को नए आयाम देते हुए जम्मू-कश्मीर प्रशासन की ओर से एक सराहनीय पहल की गई है। 'वन गर्ल चाइल्ड, वन प्लांट' नामक कार्यक्रम के अंतर्गत किसी परिवार में बेटी के जन्म लेने पर, परिजनों को एक पौधा रोपित करने हेतु प्रेरित किया जाएगा। यह पौधा कृषि भूमि, घर अथवा बाग, कहीं भी लगाया जा सकता है। कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु एक सुदृढ़ प्रारूप की संरचना की गई है। इस बारे प्रसूति मामलों के निकटतम जानकार, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से तादात्म्य स्थापित किया गया है। किसी भी परिवार में बेटी का जन्म होने पर वे संबंधित पंचायत को सूचित करेंगे। पंचायत सचिव द्वारा तत्संबंधी सूचना संबद्ध वन रक्षक तक पहुंचाई जाएगी, जो परिवार को पौधा उपलब्ध कराने सहित, रोपण संबंधी तकनीकी सहायता भी प्रदान करेगा। पौधे के क्रमिक विकास का पूर्ण विवरण रखना, रोगग्रस्त होने पर यथेष्ट उपचार, पौधा मरने की अवस्था में पारिस्थितिक संज्ञान आदि वन रक्षक के दायित्व के अंतर्गत ही आएंगे। परिवार, इच्छानुसार, एक से अधिक पौधे भी रोपित कर सकता है। इस प्रेरक कार्यक्रम का प्रयोजन जहां पौधरोपण के माध्यम से हरीतिमा को बढ़ावा देकर बिगड़ती पर्यावरणीय परिस्थितियों को संतुलित करना है, वहीं मूल उद्देश्य महिलाओं तथा बेटियों के साथ हो रहे लिंग भेद को समाप्त करना है। गौरतलब है कि सरकारी प्रयासों व सामाजिक उत्थान के बावजूद जम्मू-कश्मीर संघीय प्रदेश में बेटियों व महिलाओं को वह सम्मानजनक दर्जा प्राप्त होना संभव नहीं हो पाया, जिसकी वे वास्तविक हकदार हैं। आज भी बड़ी संख्या में लोग बेटा-बेटी के जन्म को लेकर संकीर्ण मानसिकता के शिकार हैं। पुरुष प्रधान समाज में आज भी बेटियों को बोझ समझा जाता है। मुख्य कारण है नारी देह के प्रति विकारग्रस्त वर्ग के कुत्सित मनोभाव एवं समाज में बहुप्रचलित दहेज आदि कुप्रथाएं। विशेषत- आर्थिक रूप से विपन्न परिवारों में बेटी का जन्म एक समस्या के रूप में देखा जाता है। बेटी का गौरव संरक्षण व विवाह के लिए समुचित दहेज प्रबन्धन अभिभावकों के लिए महती चिंता के विषय हैं। इस कुप्रथा के चलते घाटी में 50 हजार से अधिक युवतियां विवाह योग्य आयु सीमा पार कर चुकी हैं। सांख्यिकी मंत्रालय के सर्वेक्षणानुसार निर्धनता, जाति-प्रथा तथा दहेज आदि के कारण घाटी में 29 प्रतिशत युवा विवाह योग्य आयु लांघ चुके हैं। आज भी जम्मू-कश्मीर में दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा तथा नारी मर्यादा हनन के आंकड़े बाहुल्य में हैं। विगत वर्षों में महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एनसीआरबी की सांख्यिकी के अनुसार, 2019 में महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की संख्या 3193 रही, जबकि वर्ष 2020 में यह संख्या बढ़कर 3,515 तक जा पहुंची। 'वन गर्ल चाइल्ड, वन प्लांट' कार्यक्रम जहां बेटी के पधारने पर स्वागत-सम्मान का प्रतीक है, वहीं यह जैव विविधता रक्षण प्रयास तथा पर्यावरण संरक्षण को संवर्धित करने का पर्याय भी बनेगा। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार जम्मू-कश्मीर में प्रतिवर्ष जितनी बेटियां जन्म लेती हैं, उसी अनुपात में नए पौधे अस्तित्व में आ पाएंगे। दूसरे शब्दों में यह कार्यक्रम प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप में 'हरित जम्मू-कश्मीर मिशन' को भी बल देगा। चूंकि कार्यक्रम की संकल्पना का आधार विवाह योग्य बेटियों को आर्थिक संबल प्रदान करना भी है, इसलिए पौधरोपण में स्प्रूस, पाइंस, कॉटनवुड तथा फल देने वाली ऐसी प्रजातियां सम्मिलित की गई हैं, जिनका व्यापारिक मूल्य अधिक हो, ताकि कालान्तर में विकसित वृक्षों से प्राप्त फल-फूल तथा लकड़ी आदि की बिक्री से एकत्र पर्याप्त धनराशि एफडी के रूप में बेटियों के नाम कर दी जाए। हालांकि अभी यह कार्यक्रम अपने प्रारम्भिक चरण में हैं किंतु प्रशासनिक जानकारी के अनुसार दक्षिण कश्मीर में यह कार्य युद्धस्तर पर आरम्भ हो चुका है। शीघ्र ही जम्मू-कश्मीर के 22 जिलों में इस

प्रेरक पहल को गति मिलने की उम्मीद है। निश्चय ही जम्मू-कश्मीर प्रशासन का यह प्रयास सार्थक सिद्ध होने के साथ देश के अन्य राज्यों के लिए प्रेरक पहल बन सकता है, बशर्ते योजना निर्धारण, नियमन तथा कार्यान्वयन, संरक्षण में पारस्परिक समन्वय को अनवरत अनिवार्य गति मिलती रहे। जितनी उत्साहपूर्वक योजनाओं व कार्यक्रमों की घोषणा की जाती है, उनके क्रियान्वयन के प्रति भी यदि वैसा ही उत्साहजनक, सजग व ईमानदार रवैया रखा जाए तो आशातीत सफलता मिलना सौ फीसदी तय है। निःसंदेह, बेटियों के सम्मान को द्विगुणित करने वाली यह पहल पर्यावरण संरक्षक एवं जन हितकारी है। इस विषय में राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा होना भी नितांत आवश्यक है। छोटी ही सही, एक प्रेरक पहल पूरे समाज की सोच को सकारात्मक दिशा में मोड़ सकती है। सृष्टि संचालन में नर-नारी समान रूप से सहभागी हैं तो दोनों के प्रति दृष्टिकोण में इतना अंतर क्यों? 'आधी आबादी को पूरा सम्मान, प्राणवायु का आह्वान'- कदाचित यह सोच संकल्प बन जाए तो समूचे राष्ट्र की तस्वीर का रुख बदल सकता है।

सू-दोकू नवताल -2175

8				9			3	
	1	4	5					6
2		5		1		9		
	8				7			
5	6			3			9	8
			9				2	
		7		6		3		2
3					5	8	6	
	9			2				7

सू-दोकू -2174 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2175

बायें से दायें:-

1. अभिषेक बच्चन, सुनील शेट्टी, ऐश्वर्या राय, शबाना की 'बहका दिया हमें' गीत वाली फिल्म-4,2
4. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता सेन, नम्रता शिरोडकर की फिल्म-3
6. 'छोड़ो मुझे छोड़ो' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'दिल खुश है आज उनसे' गीतवाली सुनील दत्त, मीना कुमारी अभिनीत फिल्म-3
9. 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म 'प्यार का साया' में राहुल राय के साथ नायिका-2
11. एम.एफ हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की-3
13. राजेंद्र कुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीत वाली फिल्म-4
14. 'रामजी की निकली सवारी' गीत वाली फिल्म-4
16. 'ए जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-3
18. मिथुन चक्रवर्ती, आयशा जुल्का अभिनीत फिल्म-3
20. 'कभी शाम ढले तू मेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-2
21. दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला अभिनीत फिल्म-3
23. अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीतवाली फिल्म-2
27. 'फूल सा चेहरा चांद सी रंगत' गीत वाली प्रदीप कुमार, नर्गिस की फिल्म-2,2,2
28. देव आनंद, गिरीश कर्नाड, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का जादू' गीत वाली फिल्म-5

ऊपर से नीचे:-

1. 'सच्चा प्यार तो झुक नहीं सकता' गीत वाली सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-3
2. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-3
3. फरदीन खान, सेलिना जेटली की फिल्म-4
4. 'काश तुम मुझसे एक बार' गीत वाली फिल्म-3
5. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम ढिल्लो की फिल्म-3
8. अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली फिल्म-3
10. 'करोगे याद तो हर बात याद आएगी' गीत वाली फारूख शेख, नसीरुद्दीन शाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
12. अक्षय कुमार, रवीना टण्डन की फिल्म-3
13. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन की नायिका-3
14. प्रदीप कुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली फिल्म-3
15. 'उड़ जा काले कावां' गीत वाली फिल्म-3
16. नसीरुद्दीन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-2
17. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
19. 'आइए, आ जाइए, आ ही जाइए' गीतवाली फिल्म-2
20. 'मेरा सेहरा तू है सनम' गीत वाली फिल्म-2
22. सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'मैं ने कहा तुम ने सुना' गीत वाली फिल्म-3
24. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी' गीत वाली फिल्म-3
25. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-3
26. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायरा बानो की फिल्म-3
27. फिल्म 'शर्मिली में शशि कपूर के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2174

अ	नी	ता		डो	र		बे	ना	म
नु		श	का		वी	र	ता		म
म	दं		श	बा	ना		ब	बी	ता
लि		ता		जी		सु		ना	
क	भी	क	भी		सु	हा	ग	श	त
	गी	त		चि	श	ग		य	
गो	श		दी		ग		चि		ह
	त	क	दी	र		इं	त	का	म
ज		री		त	ब्बू		चो		श
या	श	ना		न		अ	र	बा	ज

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेट्रोल, डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के ऊपर ही बनी हई हैं हालांकि भारतीय बाजार में इनकी कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल के दाम अब भी 96.72 रुपये लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर पर मिल रहा है। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। इसके अलावा पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

अमेरिका में कई भारतीयों पर अलग-अलग योजनाओं में लगा भेदिया कारोबार का आरोप

न्यूयॉर्क । अमेरिका में भारतीय मूल के कई लोगों पर दो अलग-अलग योजनाओं में भेदिया कारोबार करने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि इसके जरिए उन्होंने अवैध रूप से 50 लाख डॉलर से अधिक का मुनाफा कमाया। ल्यूमेंटम होल्डिंग्स के पूर्व मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी अमित भारद्वाज और उनके दोस्तों धीरेन कुमार पटेल (50), श्रीनिवास ककेरा (47), अब्बास सईदी (47) और रमेश चित्तोर (45) पर प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन) ने आरोप लगाए। एसईसी ने आरोप लगाया कि कैलिफोर्निया में रहने वाले इन लोगों ने 'ल्यूमेंटम होल्डिंग्स' द्वारा दो कॉर्पोरेट अधिग्रहण घोषणाओं से पहले निवेश के जरिए अवैध रूप से 52 लाख डॉलर का मुनाफा कमाया। एसईसी ने इन्वेस्टमेंट बैंकर बृजेश गोयल (37) और उनके दोस्त अक्षय निरंजन (33) पर भी भेदिया कारोबार का आरोप लगाया। दोनों न्यूयॉर्क के रहने वाले हैं। एसईसी का आरोप है कि इन दोनों ने 2017 में 4 अधिग्रहण घोषणाओं से पहले अवैध रूप से व्यापार करके 2,75,000 डॉलर से अधिक की कमाई की। एसईसी के प्रवर्तन विभाग के निदेशक गुरबीर एस गरेवाल ने कहा हम कदाचार को जड़ से खत्म करने के लिए अपने सभी विशेषज्ञों तथा उपकरणों का इस्तेमाल करने और सभी दोषियों को जवाबदेह ठहराने के लिए तैयार हैं, चाहे वे किसी भी उद्योग या पेशे से नाता रखते हों।

मोटो बिजनेस ने चेन्नई की ई-वाहन कंपनी फुलफिली के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली । देश की मशहूर दोपहिया वाहन बनाने वाली यामाहा मोटर्स की कंपनी मोटो बिजनेस सर्विस इंडिया (एमबीएसआई) ने सोमवार को चेन्नई की ई-वाहन कंपनी फुलफिली के साथ साझेदारी का ऐलान किया। एमबीएसआई, इस साझेदारी के तहत फुलफिली के बिजली चालित दोपहिया और तिपहिया वाहनों का प्रबंधन देखेगी। फुलफिली इलेक्ट्रिक वाहन सेवा प्रदाता और सेवा आपूर्ति मंच है। एमबीएसआई के प्रबंध निदेशक शोजी शिरैशी ने एक बयान में कहा, 'फुलफिली के साथ हुए इस करार के साथ कंपनी ने चेन्नई में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड में परिचालन की शुरुआत की है।' उन्होंने कहा, 'भारत में बिजली चालित वाहनों की बिक्री तेजी से बढ़ रही है। विनिर्माता और उपयोगकर्ता ईंधन की बढ़ती लागत के कारण ईवी वाहनों को अपना रहे हैं।' उन्होंने कहा कि एमबीएसआई की भविष्य में और वाहन कंपनियों के साथ काम करने की योजना है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 497.73 अंक करीब 0.89 फीसदी की गिरावट के साथ ही 55,268.49 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 147.15 अंक तकरीबन 0.88 फीसदी नीचे आकर 16,483.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, डॉ. रेड्डीज लैब, विप्रो, कोटक महिंद्रा बैंक और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर सबसे ज्यादा गिरे हैं। वहीं दूसरी ओरबजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, पावरग्रिड और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार मेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दर में 0.75 फीसदी बढ़त का अनुमान है। इसके अलावा पश्चिमी बाजारों में मंदी की आशंका से भी बाजार धारणा पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। '' घरेलू बाजार में भी इसी कारण मुनाफावसूली हावी रही। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग के हैंगसग को लाभ हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। कच्चा तेल 1.38 फीसदी ऊपर आकर 106.6 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

केंद्र ने प्रतिस्पर्धा आयोग के अध्यक्ष पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के शीर्ष पद के लिये मंगलवार को आवेदन आमंत्रित किए। सीसीआई के मौजूदा प्रमुख अशोक कुमार गुप्ता का कार्यकाल इस साल के अंत में समाप्त हो रहा है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पात्र उम्मीदवार इस पद के लिये आवेदन दे सकते हैं। आवेदन चार सप्ताह के भीतर जमा करने हैं। पूर्व नौकरशाह गुप्ता नवंबर, 2018 में तीन साल के लिये सीसीआई के अध्यक्ष बने थे। मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार, आवेदनकर्ता के पास अंतरराष्ट्रीय व्यापार, अर्थशास्त्र, लेखा, प्रबंधन, उद्योग, सार्वजनिक मामलों या प्रतिस्पर्धा से जुड़े मामलों में 15 साल का अनुभव होना चाहिए। चेयरमैन पद पर चुने गये व्यक्ति को 4.50 लाख रुपये का मासिक वेतन और भत्ते मिलेंगे। उसका कार्यकाल नियुक्ति की तारीख से पांच साल या 65 साल की उम्र, जो भी पहले हो, के लिए होगा।

ओटीपी के माध्यम से एटीएम से निकाले रकम नहीं होगें फ्राड के शिकार : एसबीआई

नई दिल्ली । बैंकों में रकम निकलने की एटीएम प्रणाली में फ्राड की शिकायतों के मद्देनजर एसबीआई ने ट्वीट कर जानकारी दी है। इंटरनेट बैंकिंग की वजह से आजकल ऑनलाइन ट्रांजेक्शन ज्यादा होने लगे हैं। लेकिन, अब भी नकद लेनदेन काफी होता है। बैंक अकाउंट से पैसे निकालने के लिए आज भी एटीएम सबसे पसंदीदा साधन है। एटीएम के ज्यादा इस्तेमाल होने की वजह से इससे संबंधित फ्रॉड भी काफी होते हैं। एटीएम बदलकर ठग लोगों को चूना लगा देते हैं या फिर एटीएम स्किमिंग से अपराधी लोगों का खाता खाली कर देते हैं। बैंक समय-समय पर एटीएम उपयोग को लेकर हिदायतें जारी करते रहते हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने भी अब ट्वीट करके एटीएम से पैसा निकालते वक्त ओटीपी का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। बैंक ने 2020 से ही यह सेवा शुरू कर रखी है, लेकिन, ज्यादातर ग्राहक ओटीपी आधारित एटीएम ट्रांजेक् शन नहीं करते हैं। एसबीआई ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट कर ग्राहकों से एटीएम से पैसे निकालते वक्त ओटीपी का प्रयोग करने की सलाह दी है। बैंक ने ट्वीट में लिखा है, एसबीआई एटीएम पर ओटीपी आधारित ट्रांजेक्शन धोखेबाजों के खिलाफ एक अचूक हथियार है। आपको फॉड से बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ओटीपी की सर्विस एसबीआई बैंक 1 जनवरी 2020 से शुरू कर चुका है। बैंक ये जानकारी बार-बार शेयर करता है, ताकि वह अपने ग्राहकों को साइबर क्राइम से बचा सके। एसबीआई एटीएम से कैश निकालने के लिए सबसे पहले कार्ड एटीएम मशीन में डालें। ओटीपी ऑप्शन पर क्लिक करें। अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा, अब इसे डालें। इसके बाद एटीएम पिन डालें। कैश एटीएम मशीन से निकल जाएगा।

चीन-जापान सहित एशिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर मंदी का खतरा, भारत इस खतरे से पूरी तरह बाहर

नई दिल्ली ।

दुनिया पर कोरोना महामारी के बाद अब मंदी का खतरा मंडराने लगा है। अभी तक अमेरिका व पश्चिमी देशों पर मंदी की बात हो रही थी, पर एक ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर मंदी का जोखिम कहीं ज्यादा बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल चीन और जापान पर भी मंदी का खतरा मंडरा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है महंगाई। इसकी वजह से सभी देशों के केंद्रीय बैंक अपनी ब्याज दरों में ताबड़तोड़ वृद्धि कर रहे हैं, जिसका सीधा असर उनकी विकास दर पर पड़ेगा और इसकी गति मंद पड़ते ही अर्थव्यवस्थाएं मंदी में प्रवेश कर जाएंगी। ब्लूमबर्ग ने अर्थशास्त्रियों के बीच कराए सर्वे में बताया है कि श्रीलंका अभी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है और अगले साल तक यहां मंदी आने का खतरा बढ़कर 85 फीसदी हो गया है। पिछले सर्वे में श्रीलंका पर मंदी का जोखिम 33 फीसदी था। इसके अलावा न्यूजीलैंड पर 33 फीसदी, ताइवान पर 20 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया पर 20 फीसदी और फिलीपींस पर मंदी आने की 8 फीसदी आशंका है। सर्वे में बताया गया है कि दक्षिण कोरिया और जापान पर मंदी आने की 25-25 फीसदी आशंका है, जबकि चीन पर 20 फीसदी आशंका जताई जा रही है। हांगकांग और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्थाओं पर भी 20-20 फीसदी मंदी की आशंका है । अन्य एशियाई देशों में मलेशिया पर 13 फीसदी, वियतनाम पर 10 फीसदी, थाईलैंड पर 10 और इंडोनेशिया पर 3 फीसदी का जोखिम है। सर्वे में भारत को मंदी के खतरे से पूरी तरह बाहर बताया गया है। अर्थशास्त्रियों ने यहां मंदी की संभावित आशंका शून्य बताई है। उनका कहना है कि भारत अन्य इकॉनमी के मुकाबले ज्यादा बेहतर स्थिति में दिख रहा है। यहां खुद का विशाल बाजार होने के साथ विनिर्माण और उत्पादन की लंबी शृंखला है। मूडीज के मुख्य अर्थशास्त्री (एशिया-प्रशांत) स्टीवन कोरेन ने कहा एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर मंदी का जोखिम होने के बावजूद इनकी स्थिति अमेरिका और यूरोपीय देशों से बेहतर है। कमोडिटी की बढ़ती कीमतों और महंगाई से जर्मनी, फ्रांस जैसे देश ज्यादा परेशान हैं। एशिया में मंदी का जोखिम जहां 20-25 फीसदी के दायरे में है, वहीं अमेरिका पर इसका खतरा 40 फीसदी और यूरोप पर 50-55 फीसदी हो गया है। इटली में मंदी आने की 65 फीसदी आशंका है। जबकि फ्रांस में 50 फीसदी और जर्मनी में 45 फीसदी आशंका है। ब्रिटेन पर भी मंदी आने की 45 फीसदी आशंका दिख रही है।

एजूकेशन लोन पर भी धारा 80सी के तहत ले सकते हैं टैक्स छूट

नई दिल्ली ।

आयकर को लेकर आम लोग आज भी पूरी तरह वाकिफ नहीं हैं लिहाजा वे समझ ही नहीं पाते कि किस मद में उन्हें टैक्स छूट मिलेगी। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। आईटीआर दाखिल करने से पहले हमें हमारी कुल कर योग्य आय और हमें सरकार द्वारा दी जाने वाली टैक्स छूट के बारे में पता होना चाहिए। टैक्स छूट की जानकारी होने पर एक आयकरदाता इसका सही इस्तेमाल करके काफी टैक्स बचा सकता है। बच्चों की पढ़ाई पर होने वाले खर्च और एजुकेशन लोन पर भी आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स छूट प्राप्त की जा सकती है। गौर करने वाली बात यह है कि यह छूट सरकारी या प्राइवेट स्कूल, कॉलेज या संस्थान में जमा की गई ट्यूशन फीस पर ही मिलती है। यह छूट ट्यूशन फीस पर मिलती है अन्य मदों जैसे स्मार्ट क्लास, डेवलपमेंट फीस, रजिस्ट्रेशन फीस आदि पर छूट नहीं मिलती है। इसी तरह एजुकेशन लोन के लिए चुकाए गए ब्याज पर भी आप आयकर में छूट पाने के हकदार हैं। कोई भी आयकरदाता दो बच्चों की पढ़ाई पर हुए खर्च के लिए इनकम टैक्स के सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख रुपए तक टैक्स छूट प्राप्त कर सकता है। फुल टाइम एजुकेशन के लिए किए गए खर्च पर ही ये छूट ली जा सकती है। अगर किसी वर्किंग कपल के तीन बच्चे हैं और मां या बाप में से कोई एक दो या एक बच्चे की स्कूल फीस भर रहा है तो दोनों अलग-अलग टैक्स छूट ले सकते हैं। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80ई के अंतर्गत एजुकेशन लोन पर चुकाए गए ब्याज पर टैक्स छूट भी आयकरदाता ले सकता है। इस छूट का फायदा तभी मिलेगा जब द्वारा हायर एजुकेशन के लिए बैंक या वित्तीय संस्थान से एजुकेशन लोन लिया गया हो। अगर किसी व्यक्ति के 2 बच्चे हैं और दोनों के लिए एजुकेशन लोन लिया है तो वह व्यक्ति सेक्शन 80ई के तहत दोनों के लोन के लिए चुकाए गए ब्याज पर टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं। इसमें अधिकतम टैक्स छूट की कोई सीमा नहीं है। भारत में एक आयकरदाता अपना इनकम टैक्स चुकाने के लिए दो व्यवस्थाओं में से किसी एक को चुनकर चुका सकता है। 1 अप्रैल, 2020 को नया ऑप्शन दिया गया था। नए टैक्स स्लैब में 5 लाख रुपए से ज्यादा आय पर टैक्स की दरें तो कम रखी गईं, लेकिन छूट नहीं दी गई है। वहीं पुरानी टैक्स व्यवस्था में टैक्स छूट का लाभ आयकरदाता ले सकता है। इसलिए अगर किसी आयकरदाता को शिक्षा खर्च और एजुकेशन लोन पर आयकर छूट प्राप्त करनी है तो उसे पुरानी टैक्स व्यवस्था को आयकर चुकाने के लिए चुनना होगा।

अडानी पावर ने 6 माह में पौने 3 गुना किया निवेशकों का पैसा

नई दिल्ली । पिछले 6 महीनों में अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर के शेयरों में तीन गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस अवधि में अडानी पावर के शेयर 98 रुपए की निम्नसीमा से 344.50 रुपये तक पहुंचे और सोमवार को 291.70 रुपए पर बंद हुए। पिछले छह महीने में इस स्टॉक ने अपने निवेशकों को 172.24 फीसदी का रिटर्न दिया है। 25 जुलाई, 2022 तक अडानी पावर के शेयर की कीमत पिछले बंद भाव 291.3 रुपए की तुलना में 0.14 फीसदी ऊपर यानी 291.70 रुपये थी। अगर पिछले एक हफ्ते में इसके प्रदर्शन को देखें तो अडानी पावर के शेयर की कीमत 0.64 फीसदी बढ़ी और एक महीने में इसकी कीमत 10.30 फीसदी बढ़ी। जबकि, 3 महीने में अडानी पावर के शेयर की कीमत 7.22 फीसदी बढ़ी वहीं, 6 महीने 172.24 फीसदी बढ़ी। एक साल पहले जिसने इस स्टॉक में एक लाख रुपए का निवेश किया होगा, उसका पैसा अब 29000 रुपए से अधिक हो गया होगा। क्योंकि इस अवधि में यह स्टॉक 190.39 फीसदी उछला है। वहीं, पिछले 3 साल में इसने 369.73 फीसदी का तगड़ा रिटर्न दिया है। यानी 3 साल में ही निवेशक का एक लाख 4.69 लाख से अधिक हो गए।

बचत खाते पर मिलने वाले 10,000 रुपये तक के ब्याज पर नहीं देना होगा कोई कर

नई दिल्ली ।

इनकम टैक्स (आईटीआर) फाइल करते समय आपके पास कई तरह के कर लाभ लेने के विकल्प होते हैं। बचत खाते पर मिलने वाले ब्याज पर टैक्स छूट भी इसी में शामिल है। आयकर अधिनियम के सेक्शन 80टीटीए के तहत आपको 10,000 रुपये तक के ब्याज पर कोई टैक्स भरने की जरूरत नहीं है। हालांकि, ये याद रखें कि अगर आपके पास एक से अधिक बचत खाते हैं तो सब खातों के ब्याज को अलग-अलग करके नहीं देखा जाएगा। सभी खातों से मिलने वाला ब्याज सम्मिलित रूप से 10,000 से अधिक होता है तो उस रकम पर टैक्स लगाया जाएगा। यह छूट 60 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए भी है। आपको बैंक, डाकघर, या सहकारी बैंकों में मौजूद बचत खातों से मिलने वाले ब्याज पर छूट मिलेगी। यह छूट केवल 10,000 रुपये तक के ब्याज पर होगी। वहीं, एफडी, आरडी या अन्य किसी जमा राशि से मिलने वाले ब्याज पर आपको टैक्स भरना होगा। साथ ही एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान) पर मिलने वाले ब्याज को भी सेक्शन 80टीटीए से बाहर रखा गया है। आपको बता दें कि ये छूट सेक्शन 80सी के तहत मिलने वाली 1.50 लाख रुपये की छूट से अलग है। भारत में रह रहे करदाता और हिन्दू यूनाइटेड फैमिली ही ब्याज पर टैक्स कटौती का लाभ उठा सकते हैं। एनआरआई 80टीटीए के तहत अपने एनआरओ सेविंग अकाउंट पर यह बेनिफिट ले सकते हैं। बता दें कि वरिष्ठ नागरिकों को 80टीटीबी के तहत ब्याज से 50,000 रुपये तक की आय पर टैक्स में छूट मिलती है। वरिष्ठ नागरिकों की श्रेणी में 60 वर्ष या उससे अधिक की आयु के लोग आते हैं। करदाता याद रखें की आपको ब्याज से होने वाली सारी आय आईटीआर में पहले दिखानी होगी। इसे आपको 'अन्य स्रोतों से आय' के अंदर दाखिल करना होगा। यहां आपको एक वित्त वर्ष की कुल आय जोड़नी होगी। इसके बाद आप 80टीटीए के अंदर ब्याज को डिडक्शन के रूप में दिखा सकते हैं। करदाता को वित्त वर्ष में हुई सारी कमाई का ब्योरा जमा करना होता है और ऐसा नहीं करने पर जुर्माना लग सकता है।

पहली तिमाही में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध मुनाफा 14.2 फीसदी बढ़कर 234.78 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही का एकल शुद्ध लाभ 14.2 प्रतिशत बढ़कर 234.78 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 205.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। हालांकि, पिछली मार्च तिमाही से तुलना की जाए, तो बैंक के मुनाफे में 24.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। मार्च तिमाही में बैंक ने 310.31 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। अप्रैल-जून की तिमाही में बैंक की कुल आय मामूली बढ़कर 6,357.48 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक की आमदनी 6,299.63 करोड़ रुपये रही थी।

हालांकि, मार्च तिमाही की तुलना में बैंक की कुल आय में गिरावट आई है। मार्च तिमाही में बैंक की कुल आय 6,419.58 करोड़ रुपये रही थी। जून तिमाही के अंत तक बैंक का कुल ऋण पर डूबे कर्ज के लिए प्रावधान घटकर 14.90 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 15.92 प्रतिशत था। मूल्य के हिसाब से बैंक की कुल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 29,001.63 करोड़ रुपये थीं। जून, 2021 के अंत तक यह 27,891.70 करोड़ रुपये थीं। बैंक का शुद्ध एनपीए घटकर 3.93 प्रतिशत (6,784.70 करोड़ रुपये) पर आ गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.09 प्रतिशत (7,904.03 करोड़ रुपये) था।

(टोक्यो) एशियाई , अमेरिकी और यूरोपीय बाजार गिरे

टोक्यो ।

एशियाई बाजारों में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा यूरोपीय और अमेरिकी बाजार भी गिरे हैं। बाजारों में गिरावट हावी रही। एशियाई बाजारों की बात करें तो सिंगापुर स्टॉक एक्चे सचेंज में 0.21 फीसदी की गिरावट रही जबकि जापान का निक्केई 0.28 फीसदी नीचे आया है। ताइवान का शेयर बाजार भी 0.25 फीसदी गिरा है जबकि दक्षिण कोरिया के बाजार में 0.38 फीसदी की तेजी आई है। चीन का शंघाई कंपोजिट आज भी 0.01 फीसदी के नुकसान पर कारोबार कर रहा है।

विदेशी निवेशकों की मुनाफावसूली से बाजार में यह गिरावट आई है। पिछले कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से 844.78 करोड़ रुपये के शेयर निकाले। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी बाजार की बात करें तो कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और डॉलर की मजबूती की वजह से अमेरिकी शेयर बाजार पर दबाव है। अमेरिकी फेड रिजर्व की ओर से ब्याज दरें बढ़ाने के संकेतों की वजह से भी निवेशकों पर दबाव पड़ा है। यही कारण है कि पिछले सत्र में प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज नेसडेक पर 0.43 फीसदी की गिरावट रही है। वहीं अमेरिका की ही तरह यूरोप के भी ज्यादातर शेयर बाजार में पिछले सत्र में गिरावट दिखी, जबकि कुछ बाजार बढ़त पर बंद हुए। लंदन स्टॉक एक्सचेंज में भी पिछले सत्र में 0.41 फीसदी की तेजी रही जबकि यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी के डे टॉक एक्चे सचेंज पर पिछले सत्र में 0.33 फीसदी का नुकसान रहा था वहीं फ्रांस का शेयर बाजार 0.33 फीसदी बढ़त बनाकर बंद हुआ।

1 अगस्त से बदल जाएंगे बैंक से जुड़े क़ई पुराने नियम

नई दिल्ली ।

एक अगस्त से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े कई नियम और बैंक-एटीएम से जुड़े कई नियमों में बदलाव होने वाला है। इस बदलाव से आपको कुछ दिक्कतें भी आ सकती हैं और आपकी जेब पर सीधा असर पड़ने वाला है। चेक के क्लीयरेंस को लेकर आरबीआई की गाइडलाइंस का पालन करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने चेक भुगतान के नियम में कुछ बदलाव किया है। बैंक ने अपने ग्राहकों को कहा है कि 1 अगस्त से 5 लाख या उससे अधिक अमाउंट वाले चेक के भुगतान के लिए पॉजिटिव पे सिस्टम अनिवार्य होगा। इसके अभाव में चेक पेमेंट नहीं किया जाएगा।

देश के केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग धोखाधड़ी को रोकने के लिए वर्ष 2020 में चेक के लिए 'पॉजिटिव पे सिस्टम' शुरू करने का फैसला किया था। इस सिस्टम के तहत चेक के माध्यम से 50 हजार रुपये से ज्यादा के भुगतान के लिए कुछ प्रमख जानकारी की आवश्यकता हो सकती है। इस सिस्टम के माध्यम से चेक की जानकारी मैसेज, मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग या फिर एटीएम के माध्यम से दी जा सकती है। चेक की पेमेंट करने से पहले इन जानकारियों की जांच की जाती है। अगस्त के महीने में त्योहारों और छुट्टियों के कारण 13 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी-2022 और गणेश चतुर्थी जैसे बड़े त्यौहार इसी महीने होते हैं। लिहाजा अगर आपको बैंक से संबंधित कोई काम अगस्त में है तो छुट्टियां जरूर देख लें।

Sports

अब पेटीएम की जगह मास्टरकार्ड की जर्सी में उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम अब घरेलू मैदान पर होने वाली सीरीज में पेटीएम की जगह मास्टरकार्ड की जर्सी में उतरेगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम की नई प्रायोजक मास्टरकार्ड बनी है। वहीं इससे पहले पेटीएम ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ करार तय समय से पहले ही समाप्त कर दिया था जिसके बाद मास्टरकार्ड को प्रायोजक बनाया गया है। मास्टरकार्ड की जर्सी में भारतीय टीम सितबंर माह में होने वाले घरेलू सीरीज से मैदान में नजर आयेगी। यह भी कहा जा रहा है कि पेटीएम ने ही बीसीसीआई से प्रायोजन करार मास्टरकार्ड को देने कहा था। पेटीएम के इस अनुरोध को बीसीसीआई ने स्वीकार कर लिया था। बता दें साल 2019 में बीसीसीआई ने पेटीएम के साथ प्रायोजन करार को लेकर चार साल का करार किया था। तब एक मैच के लिए रिकॉर्ड 3.80 करोड़ रुपए की डील तय हुई थी। इस डील के पहले ये राशि 2.4 करोड़ रुपये थी। अभी भारतीय टीम वेस्टइंडीज दौरे पर है। यहां उसे मेजबान टीम के साथ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के बाद पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

तीसरे एकदिवसीय में भी वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज 3-0 से जीतने उतरेगी टीम इंडिया

क्वींस पार्क ।

भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां मेजबान वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के साथ होने वाले तीसरे ओर अंतिम एकदिवसीय मैच को जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। शिखर धवन की कप्तानी में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। दूसरे मैच में युवा खिलाड़ी अक्षर पटेल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। अक्षर वह सिलसिला इस मैच में भी जारी रखना चाहेंगे। अक्षर के अलावा दूसरे मैच में संजू सैमसन और दीपक हुडा ने भी अच्छी बल्लेबाजी की थी। भारतीय युवा खिलाड़ियों ने तीन सौ से ज्यादा के लक्ष्य का पीछा कर अपनी क्षमता साबित की थी। वहीं दूसरे ओर मेजबान वेस्टइंडीज टीम तीसरे मैच को जीतकर किसी प्रकार प्रतिष्ठा बचाना चाहेगी। उसके लिए यह हालांकि आसान नहीं रहेगा।

इस दौरे पर अबतक धवन और शुभमन गिल की जोड़ी अच्छी साबित हुई है। धवन ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में जहां 97 रनों की बेहतरीन अर्द्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं गिल ने पहले एकदिवसीय में 64 और दूसरे एकदिवसीय में 43 रन बनाए। यही नहीं इन दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले एकदिवसीय मुकाबले में शतकीय साझेदारी भी की थी। वहीं दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में भी इस जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 48 रन बनाये थे। ऐसे में शायद ही टीम प्रबंधन तीसरे एकदिवसीय के लिए इस सलामी जोड़ी के साथ कोई बदलाव करे। मध्यक्रम की जिम्मेदारी श्रेयस अय्यर के साथ-साथ सूर्यकुमार यादव, सैमसन और हुडा पर रहेगी। अय्यर ने कोहली के नहीं होने पर तीसरे स्थान पर उनकी कमी नहीं महसूस होने दी है। इसके अलावा सूर्यकुमार भी तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। सैमसन ने पिछले मुकाबले में अर्द्धशतकीय पारी खेलकर लय हासिल की है जिसे वह आगे बढ़ाना चाहेंगे। वहीं हुडा ने दुसरे एकदिवसीय में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा था। तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑलराउंडर खिलाड़ी के रूप में शार्दुल ठाकुर और अक्षर पटेल की जोड़ी मैदान में नजर आयेगी। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने अबतक ऑलराउंड प्रदर्शन किया है। अक्षर ने दूसरे एकदिवसीय में मैच विजेता पारी खेली थी। दूसरे वनडे मुकाबले में टीम प्रबंधन ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह आवेश खान पर भरोसा जताया था पर वह भी फ्लॉप रहे और काफी महंगे साबित हुए। ऐसे में तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में अर्शदीप सिंह को डेब्यू करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में मोहम्मद सिराज का खेलना लगभग तय है। टीम प्रबंधन आखिरी मुकाबले में बेंच स्ट्रेंथ आजमाने के लिए अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल की जगह युवा स्पिनर रवि बिश्नोई को अवसर दे सकती है।

बर्मिंघम पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम

बर्मिंघम ।

राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में यहां पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम का भव्य स्वागत हुआ है। राष्ट्रमण्डल खेलों की शुरुआत गुरुवार से होगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने भारतीय क्रिकेट टीम का एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और स्टार बल्लेबाज शेफाली सहित सभी खिलाड़ी बर्मिंघम एयरपोर्ट से बाहर निकलती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो में लिखा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के बर्मिंघम पहुंचने की एक झलक। भारतीय टीम को इन खेलों में ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बारबाडोस के साथ ग्रुप-ए में रखा गया है। वहीं भारतीय टीम को अपना पहला मुकाबला मेग लैनिंग की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम से 29 जुलाई को खेलना है।

सभी मुकाबले टी20 प्रारुप में एजबेस्टन में खेले जाएंगे। इन खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट को शामिल किया गया है।

राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले एक और खिलाड़ी डोपिंग में पॉजिटिव पायी गयी

नई दिल्ली । बर्मिंघम में गुरुवार से शुरु हो रहे राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले भारत को एक और झटका लगा है। भारत की एक और खिलाड़ी डोपिंग में पॉजिटिव पायी गयी है। इस खिलाड़ी का नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि वह महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम में शामिल थी। इस खिलाड़ी का अब टीम से बाहर होना तय है। अब रिले टीम में केवल एक खिलाड़ी ही बची है। इससे पहले शीर्ष धाविका एस धनलक्ष्मी और त्रिकूद की ऐश्वर्या बाबू को प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाये जाने के बाद भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। धनलक्ष्मी प्रतियोगिता के अलावा दो परीक्षण में पॉजिटिव पाई गई जबकि ऐश्वर्या प्रतियोगिता के दौरान दो परीक्षण में विफल रहीं। धनलक्ष्मी के नमूने में एनाबोलिक स्टेरॉयड पाया गया जबकि चेन्नई में 13 और 14 जून को राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में लिए गए ऐश्वर्या के नमूनों में ओस्टेरिन पाया गया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने कहा कि शुरुआत में 37 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम में दुती चंद, हिमा दास, श्रावणी नंदा, एनएस सिमी, एस धनलक्ष्मी और एमवी जिल्ना को शामिल किया गया था पर बाद में जिल्ना को टीम में जगह नहीं मिली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को केवल 36 खिलाड़ियों का कोटा मिला है। धनलक्ष्मी के डोप परीक्षण में विफल रहने पर जिल्ना को टीम में शामिल किया गया था। डोपिंग की दोषी पाई गई खिलाड़ी को देर से टीम में शामिल किया गया हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। इससे पहले इस बीच पैरा चक्का फेंक खिलाड़ी अनीश कुमार और पैरा पावर लिफ्टर गीता भी प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए गए। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अधिकारियों ने प्रतियोगिता के इतर नमूने एकत्रित किए।

राष्ट्रमंडल खेल

भारतीयों को खूब रास आई है ब्रिटिश धरती

नई दिल्ली ।

राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन जब भी ब्रिटिश धरती पर किया गया तब भारतीय खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और उम्मीद की जा रही है कि निशानेबाजी खेल शामिल नहीं किए जाने के बावजूद बर्मिंघम में 28 जुलाई से शुरू होने वाले खेलों में भी वे नए रिकॉर्ड स्थापित करेंगे। भारत ने अब तक ब्रिटिश धरती पर पांच बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया और केवल ग्लास्गो 2014 को छोड़कर उसने हर बार अपने पिछले प्रदर्शन से बेहतर परिणाम हासिल किए। भारत ने पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में 1934 में हिस्सा लिया था जिनका आयोजन लंदन में किया गया था। भारत ने तब केवल दो खेलों एथलेटिक्स और कुश्ती में हिस्सा लिया। पहलवान राशिद अनवर ने 74 किग्रा में कांस्य पदक जीतकर भारत को इन खेलों का पहला पदक दिलाया था। वेल्स के कार्डिफ में 1958 में हुए खेलों में भारत पहली बार दो स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहा था। भारत को यह स्वर्ण पदक उड़न सिख मिल्खा सिंह और पहलवान लीला राम ने दिलाए थे। पहलवान लक्ष्मी कांत पांडे ने रजत पदक जीता था। भारत इससे पहले सिडनी (1938) और वेंकूवर (1954) में कोई पदक नहीं जीत पाया था। इसके बाद ब्रिटेन में 1970 में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया गया जिसमें भारत ने 12 पदक जीते थे। इनमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं। भारत ने अपने पांचों स्वर्ण और तीनों रजत पदक कुश्ती में जीते थे। भारत की तरफ से तब पहलवान वेद प्रकाश, सुदेश कुमार, उदय चंद, मुख्तियार सिंह और हरिश्चंद्र बिराजदार ने सोने के तमगे हासिल किए थे। एडिनबर्ग में ही 1986 में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया गया था जिनमें भारत ने हिस्सा नहीं लिया था। इसके बाद मैनचेस्टर में 2002 में ब्रिटिश धरती पर राष्ट्रमंडल खेल खेले गए और भारत ने तब अपना उस समय तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। मैनचेस्टर 2002 में भारत 30 स्वर्ण पदक सहित कुल 69 पदक जीतने में सफल रहा था। भारत ने तब ऑस्ट्रेलिया, मेजबान इंग्लैंड और कनाडा के बाद चौथा स्थान हासिल किया था। भारत ने मैनचेस्टर में 14 स्वर्ण पदक निशानेबाजी में जीते थे लेकिन बर्मिंघम 2022 में इस खेल को शामिल नहीं किया गया है जिसका भारत को सबसे अधिक नुकसान होगा। मैनचेस्टर में ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने फाइनल में इंग्लैंड को 3-2 से हराकर सोने का तमगा जीतकर इतिहास रचा था। भारत ने पहली बार 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी जिसमें उसने 38 स्वर्ण पदक सहित 101 पदक जीते थे लेकिन इसके चार साल बाद ग्लासगो खेलों में वह इस प्रदर्शन को दोहराने में नाकाम रहा था। ग्लास्गो 2014 में भारत ने 15 स्वर्ण पदक सहित 64 पदक अपने नाम किए थे और वह पांचवें स्थान पर रहा था। भारत ने तब कुश्ती में पांच, निशानेबाजी में चार, भारोत्तोलन में तीन तथा बैडमिंटन, एथलेटिक्स और स्क्वाश में एक एक स्वर्ण पदक हासिल किया था। राष्ट्रमंडल खेल 28 जुलाई से बर्मिंघम में शुरू हो रहे है।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के त्रिनिदाद पहुंचने का वीडियो जारी किया

पोर्ट ऑफ स्पेन । भारतीय क्रिकेट टीम मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले के लिए त्रिनिदाद पहुंच गयी है। बीसीसीआई ने अपने ट्विटर अकाउंट से टीम के यहां पहुंचने का एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें टीम के कप्तान रोहित शर्मा, दिनेश कार्तिक, कुलदीप यादव, भुवनेश्वर कुमार और आर अश्विन नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में ऋषभ पंत भी टीम होटल में प्रवेश करते दिख रहे हैं। सबसे हैरानी की बात यह रही कि जहां बाकी खिलाड़ियों के हाथ में उनका सामान नजर आया , वहीं है, तो वहीं ऋषभ खाली हाथ नजर आये। उनके कंधे पर बस एक जैकेट और छोटा सा बैग था। उनकी जूते अलग रंग के नजर आ रहे थे। उन्होंने एक पैर में नीला जबकि एक में लाल रंग का जूता पहना हुआ था। इस युवा विकेटकीपर बल्लेबाज के पास इस सीरीज के बाद होने वाली टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर लया हासिल करने का अवसर है। पंत ने इस साल अब तक 9 टी20 में 20 के औसत से केवल 145 रन बनाए हैं।

अब डिकॉक बोले , तीनो प्रारुपों में खेलना कठिन

लंदन । दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा है कि क्रिकेट के तीनों ही प्रारुपों में खेलना कठिन है। डिकॉक ने कहा कि इससे खिलाड़ियों में थकान बढ़ने के साथ ही उनपर पड़ने वाला दबाव भी बढ़ता है। हाल में इंग्लैंड के ऑलरांडडर बेन स्टोक्स ने व्यस्त कार्यक्रम के कारण ही एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था। ऐसे में डिकॉक के बयान से तय है कि वह भी अब खेल के तीनों प्रारुपों को लेकर सहज नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम में और मैचों को जोड़ा जाता है, तो इससे दबाव बढ़ेगा। ऐसे में इस खेल के तीनों प्रारुपों में खेलना खिलाड़ियों के लिए कठिन हो जाएगा। डिकॉक ने 2021 में ही अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए टेस्ट क्रिकेट से सन्यास ले लिया था। उन्होंने टेस्ट कैरियर में 54 मैच में करीब 3300 रन बनाए है, जिनमें 6 शतक शामिल है। डिकॉक ने कहा, 'मुझे कुछ लीग खेलने के लिए बुलाया गया पर यहां खेलना या ना खेलना मेरा अपना फैसला था और मैं खेलकर खुश हूं।' विकेटकीर बल्लेबाज डिकॉक ने कहा कि जब आप युवा होते हैं तो आपको तीनों प्रारूपों में खेलने और कैरियर में कुछ चीज हासिल करने की जरूरत होती है लेकिन जैसे जैसे आप बड़े होने लगते हो आपका शरीर पहले की तरह सहयोग नहीं करता। वहीं इससे पहले पाक के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भी पिछले सप्ताह ही कहा था कि वह बेन स्टोक्स द्वारा लिए गए संन्यास के कारणों को समझते है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा है कि खिलाड़ियों को अपने फैसले लेने की आजादी होनी चाहिये। साथ ही कहा कि जिन खिलाड़ियों को ऐसा लगता है कि वो तीनो प्रारूपों में खेल सकते है तो वे खेलें।

फ्रांस के मैक्योन टी20 में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

पेरिस ।

फ्रांस के सलामी बल्लेबाज गुस्ताव मैक्योन ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के क्वालिफायर मुकाबले में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकार्ड बनाया है। मैक्योन ने 18 साल 280 दिन की उम्र में यह उपलब्धि अपने नाम की है। गुस्ताव ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ केवल 61 गेंद में 109 रन बना दिये। गुस्ताव ने अपनी इस पारी में पांच चौके और 9 छक्के लगाये। यह उनका दूसरा अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था। इससे पहले, उन्होंने चेक रिपब्लिक के खिलाफ अपने डेब्यू टी20 में 54 गेंद में 76 रन बनाये थे।गुस्ताव ने इस दौरान अफगानिस्तान के बल्लेबाज हजरतुल्लाह जाजई के 2 साल पुराने रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। जाजई ने साल 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 20 साल 337 दिन में शतक लगाया था। तब जाजई ने केवल 62 गेंद में नाबाद 162 रन बनाये थे। गुस्ताव अपनी रिकार्ड शतकीय पारी के बाद भी टीम को जीत नहीं दिला पाये। स्विट्जरलैंड ने यह मैच 1 विकेट से जीत लिया। इस मैच में फ्रांस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 157 रन बनाए थे। टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज गुस्ताव की शतकीय पारी के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाया। स्विट्जरलैंड की ओर से अली नैय्यर ने 2 विकेट लिए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए स्विट्जरलैंड की ओर से कप्तान फहीम नजीर ने अर्धशतक लगाया। नजीर ने 46 गेंद में 67 रन बनाये। इसके बाद आखिरी के ओवर में अली नैय्यर ने 3 गेंद में 12 रन बनाकर स्विस टीम को जीत दिला दी।

विराट के भारतीय टीम में नहीं होने से निराश है वेस्टइंडीज के कोच सिमंस

पोर्ट ऑफ स्पेन ।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच फिल सिमंस इस बात से निराश हैं कि उनकी टीम के खिलाड़ियों को इस बार विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाज का सामना करने का अवसर नहीं मिला है। सिमंस ने कहा कि वह चाहते थे कि उनकी टीम को विराट के सामने गेंदबाजी का अवसर मिले पर भारतीय टीम ने किसी भी प्रारुप के लिए इस खिलाड़ी को टीम में जगह नहीं दी। इंडीज कोच के अनुसार विरोधी टीम किसे शामिल कर रही है। इससे हमें मतलब नहीं है पर सभी चाहते हैं कि उनकी टीम का सामना सबसे बेहतरीन टीम और सबसे अच्छे खिलाड़ियों से हो। मेरी टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए कोहली जैसे खिलाड़ी के खिलाफ अपने को आजमाना काफी शानदार रहता। कोहली ना केवल इस दौर के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में से एक है बल्कि अब तक के महानतम बल्लेबाजों में शामिल हैं। उस इसलिए थोड़ी निराशा है कि हमारे युवा गेंदबाजों को इतने शानदार खिलाड़ी के खिलाफ गेंदबाजी करने का अवसर सीरीज में नहीं मिल रहा है।' कोच ने कहा कि जिस प्रकार विराट के खराब फार्म को लेकर उनसे व्यवहार किया जा रहा है वह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों को भी खराब दौर में आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि चाहे खिलाड़ी कितना भी महान क्यों न हो, जब भी वो संघर्ष करता है तो उसे आलोचना सहनी ही पड़ती है। मुझे इस बात का पूरा भरोसा है कि ना सिर्फ हर भारतवासी बल्कि दुनिया का हर क्रिकेट प्रशंसक ये चाहता है कि कोहली लय में लौटे और जमकर रन बनाएं पर आपको ये भी समझना होगा कि ऐसा बिल्कुल संभव नहीं है। इसलिए, इन बातों को मैं खेल का अभिन्न हिस्सा ही मानता हूं।'

मुक्केबाज लवलीना की कोच को खेलगांव में प्रवेश मिला

बर्मिंघम (ईएमएस)। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन की कोच को राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए खेल गांव में प्रवेश मिल गया है। इससे पहले लवलीना ने आरोप लगाया था कि उनकी कोच को राजनीति के कारण उनतक पहुंचने से रोका जा रहा है। साथ ही कहा कि इससे उसे मानसिक परेशानी हुई है। लवलीना ने मुक्केबाजी संघ पर आरोप लगाया था कि संघ की राजनीति के कारण ही उनकी कोच को खेल गांव में प्रवेश नहीं मिला। इससे उनकी तैयारियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। लवलीना की कोच संध्या भारतीय टीम की सहायक कोच भी हैं। उन्हें प्रतियोगिता से कुछ ही दिन पहले भारतीय दल में शामिल किया गया था। रविवार को यहां पहुंचने पर उन्हें खेल गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली क्योंकि उनके पास एक्रीडिटेशन नहीं था जिससे विवाद पैदा हो गया। भारतीय ओलंपिक संघ के एक अधिकारी ने कहा, ''संध्या को आज सुबह मुक्केबाजी खेल गांव लाया गया और एक्रीडिटेशन दिया गया। वह अब टीम के साथ हैं।'' संध्या को खेल गांव में कमरा भी दिया गया है।

नीरज राष्ट्रमण्डल खेलों से बाहर हुए

नई दिल्ली ।

भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा चोटिल होने के कारण गुरुवार से बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमण्डल खेलों से बाहर हो गये हैं। ऐसे में खेलों की शुरुआत से पहले ही भारत को एक करारा झटका लगा है क्योंकि नीरज स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार थे। नीरज ने हाल ही में समाप्त हुई विश्व एथलेटिक्स में रजत पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक भी जीता था। नीरज ने कहा है कि वह चोट के कारण राष्ट्रमण्डल खेलों में भाग नहीं ले पायेंगे। नीरज का विश्व एथलेटिक्स इवेंट के बाद एमआरआई स्कैन हुआ था, जिसमें उन्हें ग्रोइन एंजरी होने का खुलासा हुआ है। ऐसे में नीरज को करीब एक महीने तक आराम करने की सलाह दी गई है। यही वजह है कि वह राष्ट्रमण्डल खेलों 2022 से बाहर हो गए हैं। नीरज के बाहर होने के बाद अब भाला फेंक में भारत की उम्मीदें डीपी मनु और रोहित यादव पर टिकी हुई हैं। भाला फेंक में अब यह दोनों ही भारत की ओर से उतरेंगे। विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में नीरज ने फाइनल में 6 थ्रो में 3 बार फाउल किया था। उनका पहला और अंत के दो थ्रो थ्रो फाउल निकले और इसका कारण पैर का दर्द था। नीरज ने स्वयं कहा कि चौथे थ्रो में उन्हें ग्रोइन में ज्यादा दर्द हुआ। उसकी वजह से वह अंतिम दो थ्रो में पूरा जोर नहीं लगा पाए। तब उन्होंने कहा था कि वह बर्मिंघम राष्ट्रमण्डल खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करेंगे हालांकि चोट के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हुआ। नीरज ने साल 2019 में सर्जरी के ट्रैक पर वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींच था। टोक्यो ओलंपिक में नीरज ने स्वर्ण जीतकर भारत को पहली बार एथलेटिक्स में पदक जिताया था। नीरज विश्व एथलेटिक्स में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले अंजू बॉबी जॉर्ज ने साल 2003 में इन खेलों में लंबी कूद में कांस्य पदक जीता था।

पुकोवस्की सहित सात खिलाड़ी अगले माह भारत आयेंगे

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज विल पुकोवस्की और सात अन्य खिलाड़ी अगस्त में एमआरएफ पेस फाउंडेशन में 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए चेन्नई पहुंचेंगे। माना जा रहा है कि पुकोवस्की सहित अन्य खिलाड़ियों को भेजकर ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले साल अपने भारत दौरे की तैयारियों में लग गयी है। जोश फिलिप, टीग वायली, कूपर कोनोली, हेनरी हंट और स्पिनर मैट कुहनेमैन, टॉड मर्फी और तनवीर संघा अन्य खिलाड़ी हैं जो सात से 17 अगस्त तक प्रशिक्षण शिविर के लिए भारत जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया को साल 2023 के फरवरी-मार्च में 4 टेस्ट की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत का दौरा करना है और टीम इसमें किसी भी हाल में जीत दर्ज कर पिछली हार का हिसाब बराबर करना चाहती है। पुकोवस्की ने पिछले साल जनवरी में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था पर मैच के दौरान उनका कंधा चोटिल हो गया था और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके बाद वह पिछले अक्टूबर में भी सिर में चोट लगने के कारण बाहर हो गये थे। उन्होंने हाल में मार्श शेफील्ड शील्ड फाइनल में 59 रन बनाकर अच्छी वापसी की है। श्रीलंका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया 'ए' टीम में उनका नाम नहीं था पर पुकोवस्की को शिविर में शामिल करने से पता चलता है कि भारत के टेस्ट दौरे के लिए उनके नाम पर विचार किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2023 के फरवरी-मार्च में भारत दौरे पर आएगी।इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया को भारत से 4 टेस्ट, तीन एकदिवसय और इतने ही टी20 की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के दूसरे चक्र का हिस्सा है और डब्ल्यूटीसी के फाइनल के लिहाज से यह अहम है. इसलिए ऑस्ट्रेलिया ने अभी से ही इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12थ्द्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

श्रीलंका में 21 दिन बाद फिर खुले स्कूल, ईंधन की कमी के चलते करना पड़ा था बंद

कोलंबो। संकट प्रभावित श्रीलंका में ईंधन की कमी के कारण गत चार जुलाई से बंद देशभर के स्कूल सोमवार को फिर से खुले। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार देश में सभी सरकारी और सरकार से मान्यता प्राप्त निजी स्कूल फिर से खुल गए हैं। न्यूजफर्स्ट लंका ने 'लंका निजी बस स्वमी संघ' के हवाले से बताया कि पूरे द्वीप में ईंधन की कमी के बावजूद सोमवार को स्कूली बच्चों के लिए पर्याप्त संख्या में बसें सेवा में लगाई गईं। लंका निजी बस स्वामी संघ के अध्यक्ष जेमुनु विजेरत्ने ने कहा कि पिछले दो दिनों में कई जगहों से ईंधन प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय परिवहन आयोग के महानिदेशक नीलान मिरांडा ने कहा कि प्राप्त ईंधन की मात्रा के अनुसार छात्रों के लिए बसें सेवा में लगाने के लिए कदम उठाए गए हैं। ऑल सीलोन स्कूल चाइल्ड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष मालश्री सिल्वा के अनुसार, श्रीलंका ट्रांसपोर्ट बोर्ड (एसएलटीबी) डिपो के माध्यम से पर्याप्त ईंधन प्राप्त होने के कारण स्कूली छात्रों के परिवहन के लिए अधिक वैन लगाई गई हैं। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (सीपीसी) ने सोमवार को ऐलान किया कि 25 जुलाई को पूरे देश में 7,000 टन ईंधन वितरित किया जाएगा। 2.2 करोड़ लोगों का देश श्रीलंका एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहा है, जिससे लाखों लोग भोजन, दवा, ईंधन और अन्य आवश्यक चीजें खरीदने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। श्रीलंका का कुल विदेशी कर्ज 51 अरब अमेरिकी डॉलर है।

2025 से पहले चीन की जनसंख्या में नकारात्मक वृद्धि देखने को मिलेगी: रिपोर्ट

बीजिंग। चीन की घटती जनसंख्या 2025 तक नकारात्मक वृद्धि के आंकड़े तक पहुंच जाएगी और यह एक सदी से भी अधिक समय तक सिकुड़ती रह सकती है। यह बात सोमवार को एक मीडिया रिपोर्ट में कही गई। इसमें समस्या के समाधान के लिए जनसंख्या की समग्र गुणवत्ता और बदलती आर्थिक विकास योजनाओं में सुधार की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया है। चाइना पॉपुलेशन एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के जनसंख्या और पारिवारिक मामलों के प्रमुख यांग वेनजुआंग ने कहा कि चीन की कुल जनसंख्या वृद्धि दर काफी धीमी हो गई है और वर्तमान 14 वीं पंचवर्षीय योजना अवधि (2021-25) के दौरान नकारात्मक वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है। ग्लोबल टाइम्स अखबार के अनुसार, चीन के जनसांख्यिकी विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि लंबे समय तक प्रमुखता से देखने को मिलेगी और जनसंख्या की समग्र गुणवत्ता तथा बदलती आर्थिक विकास योजनाओं में सुधार महत्वपूर्ण है। सेंटर फॉर चाइना एंड ग्लोबलाइजेशन के जनसांख्यिकी विशेषज्ञ और वरिष्ठ शोधकर्ता हुआंग वेनझेंग ने कहा, यह लंबे समय से जारी कम प्रजनन दर का अपरिहार्य परिणाम है। उन्होंने ग्लोबल टाइम्स से कहा, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि चीन की जन्म दर एक सदी से भी अधिक समय तक सिकुड़ती रहेगी और प्रथम श्रेणी के शहरों में जन्म दर में गिरावट जारी रहेगी। तीसरे बच्चे की नीति कुछ समस्याओं को कम कर सकती है, लेकिन अल्प अवधि में स्थिति में बदलाव की संभावना नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 29 प्रांतों द्वारा जारी 2021 के जन्म के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल नए जन्मों की संख्या कई प्रांतों में दशकों में सबसे कम थी, और उच्चतम जन्म संख्या वाले शीर्ष 10 प्रांतों में से केवल छह में 500,000 से अधिक थे। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत अगले साल चीन को दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में पीछे छोड़ सकता है।

इंजीनियरों को करना पड़ रही है बाबू की नौकरी

बीजिंग । चीन मैं रिसर्च एजेंसी द्वारा डाटा जारी किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 16 से 24 साल के युवाओं में बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ रही है। इंजीनियरिंग की डिग्री लेने वाले युवाओं को इंजीनियर की नौकरी नहीं मिल रही है। इंजीनियर कार्यालयों में बाबू बनने के लिए मजबूर हो रहे हैं। चीन में करीब डेढ़ करोड़ युवाओं ने सरकारी नौकरी के लिए आवेदन किए हैं। लेकिन नौकरी उपलब्ध नहीं है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के देशों में चीन में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा स्तर पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के अनुसार चीन में बेरोजगारी की दर 19.30 की दर पर पर पहुंच गई है। चीन की तुलना में अमेरिका में बेरोजगारी की दर इससे आधी है। कोरोना बीमारी के कारण चीन की सरकार द्वारा जो लॉकडाउन लगाने और कड़ी नीतियां बनाई गई। उसके कारण कंपनियों ने कर्मचारियों की छटनी की। जिसके कारण चीन की बेरोजगारी बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। आर्थिक मंदी के कारण चीन में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या बनकर सामने है।

मार्क जुकरबर्ग ने 10 वर्ष पहले खरीदा घर बेचकर रकम की तिगुनी

सैन फ्रांसिस्को । प्रसिद्ध सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक के को-फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने सैन फ्रांसिस्को स्थित अपने वैभवशाली विलासिता से युक्त घर को इस साल बेच दिया है। उन्होंने 7,000 वर्ग फीट से ज्यादा में बने इस घर को 31 मिलियन डॉलर यानी करीब 250 करोड़ रुपये में बेचा। इस तरह जुकरबर्ग ने इस साल सैन फ्रांसिस्को में सबसे महंगा घर बेचने का रिकॉर्ड भी बना दिया। मार्क जुकरबर्ग ने इस घर को नवंबर 2012 में महज 10 मिलियन डॉलर यानी करीब 80 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस तरह घर बेचकर भी उन्होंने पिछले 10 साल के दौरान तीन गुना से ज्यादा मुनाफा कमा लिया। घर के सेल के विज्ञापन के अनुसार, इसे साल 1928 में बनाया गया था। यानी यह घर करीब 100 साल पुराना है। यह घर मिशन डिस्ट्रिक्ट और जुकरबर्ग सैन फ्रांसिस्को जनरल हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर के पास ही स्थित है। यह घर डोलोरेस पार्क के पड़ोस में शांत इलाके लिबर्टी हिल में स्थित है। जुकरबर्ग ने फेसबुक का आईपीओ आने के कुछ ही समय बाद यह घर खरीदा था। जुकरबर्ग और उनकी पत्नी प्रिसिला चान ने साल 2013 में इस घर को नया रंग-रूप देने पर करोड़ों डॉलर खर्च कर डाले थे। दोनों ने लॉन्ड्री रूम, वाइन रूम, वेट बार और ग्रीनहाउस जैसे मोडिफिकेशन करवाए थे। आपको बता दें कि जुकरबर्ग के पास सिलिकॉन वैली, लेक ताहोए और हवाई में कई अन्य लग्जरी घर हैं। अपने महंगे घरों को लेकर जुकरबर्ग अक्सर खबरों में बने रहते हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, मार्क जुकरबर्ग की टोटल नेटवर्थ अभी 61.9 बिलियन डॉलर है। इस साल आईटी शेयरों में आई भारी गिरावट का असर फेसबुक और उसकी पैरेंट कंपनी मेटा के ऊपर भी हुआ है। इस कारण साल 2022 में जुकरबर्ग की संपत्ति अब तक करीब 50 फीसदी कम हो चुकी है। 26 जुलाई यानी आज तक के आंकड़ों के अनुसार, जुकरबर्ग इस साल अब तक 63.5 बिलियन डॉलर यानी आधी से भी ज्यादा दौलत गंवा चुके हैं। कभी दुनिया के टॉप10 अमीरों में शुमार होने वाले जुकरबर्ग इस नुकसान के चलते अभी खिसककर 17वें पायदान पर चले गए हैं।

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में कई जगहों पर गोलीबारी, पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया

लैंगली । कनाडा की पुलिस ने वैंकूवर के एक उप-नगर में गोलीबारी की कई घटनाओं की सूचना दी है। पुलिस ने इस सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के लैंगली के व्यस्त इलाके में गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। पुलिस अधिकारी रेबेका पार्सलॉ ने कहा कि उन्हें हताहतों के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने इलाके में सुबह साढ़े छह बजे चेतावनी जारी कर लोगों को संबंधित क्षेत्र में जाने से बचने की सलाह दी। पुलिस ने शहर के व्यस्त इलाके की तरफ जाने वाली सड़क का एक बड़ा हिस्सा बंद कर दिया। पुलिस ने बाद में एक और चेतावनी जारी कर कहा कि एक संदिग्ध हिरासत में हैं। लैंगली वैंकूवर से दक्षिण-पूर्व में करीब 48 किमी की दूरी पर स्थित है। पुलिस ने जानकारी दी कि यह पता लगाया जा रहा है कि इस पूरी घटना में सिर्फ एक व्यक्ति ही शामिल था या फिर उसके साथ और भी लोग थे। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने के लिए कहा है। अधिकारियों ने जनता से पार्किंग लाट, बस स्टॉप, कैसिनों और भीड़ भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने की अपील की है। सूत्रों की मानें तो गोलीबारी की इस घटना में दो लोग घायल हुए हैं।

वेश्यालय चलाने के आरोप में भाजपा नेता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

शिलॉन्ग। मेघालय के तुरा में अपने फार्महाउस में 'वेश्यालय' चलाने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष बर्नार्ड एन मराक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने गैर-जमानती वारंट जारी किया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को छापेमारी में मराक के फार्महाउस रिम्पु बागान से छह नाबालिगों को छुड़ाया गया है तथा 73 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद से मराक फरार हैं। पश्चिम गारो हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेकानंद सिंह ने कहा बर्नार्ड एन मराक उर्फ रिम्पु के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। तुरा में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा जारी यह एक 'स्टैंडिंग वारंट' है। पुलिस ने बताया कि मराक को जांच में सहयोग के लिए कहा गया है लेकिन वह जांचकर्ताओं से दूर भाग रहे हैं। उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

फिलीपींस में राष्ट्रपति फर्डिनाद रेमुलडेज मार्कोस देश को संबोधित करते हुए।

अब बेहतर है स्वास्थ्य, अच्छा महसूस कर रहा हूं : बाइडन

वाशिंगटन। कोरोना से संक्रमित अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बताया कि उनके स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। व्हाइट हाउस ने नए टीके विकसित करने पर चर्चा के लिए एक शिखर सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाई है, जो सार्स-कोव-2 वायरस के अधिक संक्रामक स्वरूपों से ज्यादा प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम होगा। 'कंप्यूटर चिप' के निर्माण पर एक ऑनलाइन चर्चा में हिस्सा लेने के बाद बाइडन ने अपनी सेहत की जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें अब अच्छी नींद आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मजाक में कहा कि अब सुबह उनका कुत्ता उन्हें उठाता है। उन्होंने कहा मेरी पत्नी यहां नहीं हैं, आमतौर पर वह उसे घुमाने ले जाती हैं। अब रोज सुबह वह मेरे सीने पर अपनी नाक रगड़ने लगता है। प्रथम महिला जिल बाइडन अपने गृह नगर डेलावेयर में हैं, जबकि राष्ट्रपति व्हाइट हाउस में अपने आधिकारिक आवास में रह रहे हैं। बाइडन ने कहा कि उनके गले में अभी भी खराश है और उनकी नाक भी बंद है, लेकिन वह 'पूरी तरह से ठीक होने के रास्ते पर हैं। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद बाइडन पहली बार शुक्रवार को सार्वजनिक रूप से नजर आए थे।

पोप ने दुष्कर्मों पर सार्वजनिक तौर से मांगी क्षमा

-1 लाख 50 हज़ार से अधिक बच्चों को क्रिश्चियन बनाने के लिए घर से उठया गया

ओटावा। (एजेंसी)।

ईसाई समुदाय के धार्मिक गुरु पोप फ्रांसिस ने अपनी कनाडा 'प्रायाश्चित यात्रा' के दौरान स्थानीय आदिवासियों से चर्चों द्वारा किये गए कुकर्मों को लेकर सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगी हैं। यात्रा के पहले ही दिन उन्होंने चर्च द्वारा संचालित आवासीय स्कूलों में किये गए अत्याचारों पर खुलकर बात की। दुनिया के 1.3 अरब कैथोलिकों के नेता की क्षमा की याचिका को पश्चिमी अलबर्टा प्रांत के मास्कवासिस में फर्स्ट नेशंस, मेटिस और इनुइट आदिवासी लोगों की भीड़ ने तालियों के साथ सराहा। कनाडा के कैथोलिक चर्चों द्वारा संचालित स्कूलों में स्थानीय लोगों के लाखों बच्चों को जबरन पकड़कर ले जाया गया था। एक आंकड़े के मुताबिक 1 लाख 50 हज़ार से अधिक बच्चों को क्रिश्चियन बनाने की नीति के तहत जबरन उनके घर से उठा लिया गया था। कनाडा में इसे कल्चरल जेनोसाइड (सांस्कृतिक नरसंहार) कहा जाता है। 85 वर्षीय पोप ने अपने अभिभाषण में स्थानीय आदिवासियों से माफी मांगी। उन्होंने 'सांस्कृतिक विनाश' और दशकों के दौरान बच्चों के 'शारीरिक, मौखिक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक शोषण' का हवाला देते हुए कहा, 'मैं आदिवासी लोगों के खिलाफ ईसाइयों द्वारा किये गए अत्याचारों के लिए विनम्रतापूर्वक क्षमा चाहता हूं।' उन्होंने औपचारिक रूप से स्वीकार किया कि चर्च के कई लोगों ने इस अत्याचार में शामिल थे। पोप कनाडा के आदिवासी क्षेत्र मास्कवासिस में आये थे जहां विवादित स्कूल मौजूद था। इस स्कूल को 1975 में बंद कर दिया गया था। आपको बता दें कि वर्ष 1800 से 1990 तक, कनाडा की सरकार ने लगभग 150,000 बच्चों को चर्च द्वारा संचालित 139 आवासीय विद्यालयों में भेजा था। इस दौरान बच्चों को उनकी भाषा, संस्कृति और परिवार से बिलकुल अलग कर दिया गया था। चर्च के स्कूलों में आदिवासी बच्चों के साथ हुए अत्याचारों में हजारों बच्चों की मृत्यु हो गई थी। कई बच्चों के साथ यौन शोषण भी किया गया था। पोप के कार्यक्रम के दौरान लोगों ने एक 50 मीटर लंबा बैनर लिया हुआ था जिसमें 4 हज़ार से अधिक मारे गए बच्चों के नाम दर्ज थे।

सुनक बनाम ट्रस: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की दौड़ में निजी हमलों में वृद्धि

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की दौड़ में निजी हमलों में वृद्धि हो रही है। बोरिस जॉनसन का उत्तराधिकारी बनने के लिए अब केवल दो दावेदार-ऋषि सुनक और लिज ट्रस ही बचे हैं। पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक और विदेश मंत्री लिज ट्रस के बीच सोमवार रात बीबीसी टेलीविजन पर होने वाली आमने-सामने की बहस से पहले प्रतिद्वंद्विता के सुर तेज हो गए हैं। संस्कृति मंत्री एवं जॉनसन की वफादार नदीने डोरिस प्रधानमंत्री पद की दौड़ में ट्रस का समर्थन कर रही हैं। उन्होंने सुनक के 3,500 पाउंड के बेस्पोक सूट और प्राडा जूतों पर डेली मेल की एक रिपोर्ट को ट्वीट करने के लिए सोमवार की सुबह ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने यह ट्वीट कर सुनक को ब्रिटेन के आम लोगों से अलग दिखाने का प्रयास किया। डोरिस ने कहा, वहीं, लिज ट्रस 4.50 पाउंड के अपने झुमके पहनकर देश की यात्रा करेंगी।'' इस पर सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं और मंत्रियों ने गुस्सा भरी प्रतिक्रिया दी कि और कहा कि वे सभी एक ही टीम के लोग हैं तथा इस तरह के व्यक्तिगत हमलों का अगले आम चुनाव में विपरीत असर पड़ सकता है जिसके2024 के आसपास होने की उम्मीद है। इस बीच, सुनक ने मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की मांग की और अपनी प्रतिद्वंद्वी के अनफंडिड कर कटौती के वादों पर सवाल उठाया।

यूएनआरडब्ल्यूए ने भारत से मिली 25 लाख डॉलर की मदद के लिए कहा शुक्रिया

यरूशलम (एजेंसी)।

फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए लगातार राहत कार्य करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए ने भारत सरकार से मिली 25 लाख डॉलर की मदद के लिए उसकी सराहना की। यह राशि फलस्तीनी शरणार्थियों की सहायता के लिए संगठन द्वारा संचालित विद्यालयों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और अन्य मूलभूत सेवाओं को सीधे मुहैया कराई जाएगी। यूएनआरडब्ल्यूए की प्रवक्ता तमारा अल्फीराई ने कहा, हमें भारत की ओर से मिलने वाली सालाना मदद (कुल 50 लाख डॉलर) की आधी राशि (25 लाख डॉलर) मिल गई है, जिसके लिए हम उसके आभारी हैं।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने बिजली सुधार को लेकर कई बड़ी घोषणाएं की

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने देश में जारी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए मौजूदा कानून में बदलाव सहित बड़े पैमाने पर सुधारों की घोषणा की है। रामफोसा ने कहा, ''पिछले तीन हफ्तों के दौरान, बिजली की अत्यधिक कटौती ने हमारे पूरे जीवन को बाधित कर हमारी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचाया है। दैनिक बिजलीकटौती (कई बार छह-छह घंटे तक) हम अनुभव कर रहे हैं, जिससे लाखों घरों में असुविधा हुई और भारी नुकसान हुआ है। रामफोसा ने कहा, भरोसेमंद बिजली आपूर्ति न होने के कारण द.अफ्रीका के लोगों की निराशा और गुस्सा उचित है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकारी स्वामित्व वाली बिजली कंपनी एस्कॉम को बिजली ग्रिड को ढहने से रोकने और हमें कभी भी पूरी तरह से बिना बिजली के नहीं रहना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए'' बिजली कटौती करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा, बिजली की कमी आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए एक बड़ी बाधा है। यह निवेश को रोकती है और हमारी अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धा को कम करती है।''

लीबिया में आतंकवादी क्रियाकलाप पुनः शुरू, भारत ने यूएनएससी में चिंता जताई

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

अस्थिरता के बीच लीबिया में पुनः आतंकवादी क्रियाकलापों की आहट ने दुनिया को फिर चिंता में डाल दिया है। इसको लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में चिंता जताई है। लीबिया पर यूएनएससी में एक ब्रीफिंग में संयुक्त राष्ट्र में भारत की ओर से स्थायी मिशन के राजदूत आर रवींद्र ने कहा कि हम लीबिया में आतंकवादी गतिविधि के फिर से शुरू होने पर चिंतित हैं। लीबिया में बिना किसी चुनौती के काम करने के लिए आतंकवादी समूहों और उससे संबंधित संस्थाओं को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। एएनआई के मुताबिक आर रवींद्र ने उस प्रोग्रेस का स्वागत किया है जो पिछले महीने 28-29 जून, 2022 के अंत में जिनेवा में प्रतिनिधि सभा और राज्य की उच्च परिषद के अध्यक्षों की बैठक में हुई थी। भारतीय राजदूत ने कहा कि लीबिया के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह जरूरी है कि सभी शेष राजनीतिक मुद्दों को संबंधित पक्षों द्वारा शांतिपूर्वक हल किया जाए।

लीबिया में राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव को जल्द से जल्द कराने के महत्व पर जोड़ देते हुए उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी दल लीबिया में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करेंगे। लीबिया के लिए एक तत्काल प्राथमिकता स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और विश्वसनीय तरीके से जल्द से जल्द राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव कराना है। उन्होंने आगे कहा कि हम चुनाव कराने के लिए संवैधानिक आधार पर लीबिया की पार्टियों के बीच शीघ्र सहमति की उम्मीद करते हैं। लीबिया 2011 से हिंसा और अशांति झेल रहा है। जब से शासन में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएसएमआईएलस) के नेतृत्व का पतन हुआ है,यह स्थिति बनी हुई है। 2011 में लीबिया के नेता मुअम्मर गद्दाफी के शासन के पतन के बाद से लीबिया लगातार हिंसा और अशांति का सामना कर रहा है। वर्तमान में देश एक सरकार के बीच विभाजित है जिसे मार्च में प्रतिनिधि सभा द्वारा नियुक्त किया गया था और त्रिपोली स्थित राष्ट्रीय एकता सरकार जो एक चुनी हुई सरकार को छोड़कर कार्यालय सौंपने से इनकार करता है। लीबिया के दलों के बीच चुनाव कानूनों पर असहमति के कारण, पहले से निर्धारित आम चुनाव दिसंबर 2021 में कराने में विफल रहा था।

पंजाब के सीएम के पुनः चुनाव को लेकर पाक में गठबंधन सरकार के नेताओं ने अदालत की आलोचना की

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की सियासत में अब न्यायपालिका के काम को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के शीर्ष नेताओं ने पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री के पुनर्चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को अविश्वास व्यक्त किया और कहा कि 'मैच फिक्सिंग' की तरह ही 'बेंच फिक्सिंग' भी जुर्म है और शीर्ष अदालत से आग्रह किया कि वह एक तरफा फैसले लेने के लिए 'विशिष्ट पीएमएल-एन विरोधी पीठ' गठित करने से बचे। पाकिस्तान मुस्लिम लगी-नवाज़ (पीएमएल-एन) की उपाध्यक्ष मरियम नवाज़, विदेश मंत्री एवं पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता बिलावल भुट्टो-ज़रदारी, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) के नेता मौलाना फज़ल-उर-रहमान और गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। यह प्रेस वार्ता पंजाब के मुख्यमंत्री के तौर पर हमज़ा शहबाज़ के पुनर्चुनाव पर शीर्ष अदालत में अहम सुनवाई से पहले की गई है। पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन के सुप्रीमो नवाज़ शरीफ की बेटी मरियम ने कहा, संस्थाओं का अपमान अंदर से होता है, बाहर से नहीं। एक गलत फैसला पूरे मामले को खत्म कर सकता है। जहां सही फैसले लिए जाते हैं वहां आलोचना की जरूरत नहीं होती है। पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष ने कहा कि शीर्ष अदालत में कई सम्मानित न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे और सवाल किया कि वे पीएमएल-एन के मामलों की सुनवाई में शामिल क्यों नहीं हैं? उन्होंने कहा, एक या दो न्यायाधीश जो हमेशा से पीएमएल-एन विरोधी और सरकार विरोधी रहे हैं, उन्हें बार-बार पीठ में शामिल किया जाता है। मरियम ने कहा कि 'बेंच फिक्सिंग' भी 'मैच फिक्सिंग' जैसा ही अपराध है। पीएमएल-एन नेता ने उच्चतम न्यायालय से इस मुद्दे का स्वतः संज्ञान लेने को कहा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे हमज़ा ने शनिवार को पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इससे एक दिन पहले उन्होंने विधानसभा में मुख्यमंत्री पद के लिए हुए चुनाव में नाटकीय घटनाक्रम के बीच मात्र तीन मतों के अंतर से जीत हासिल की थी, जब सदन के उपाध्यक्ष दोस्त मोहम्मद मजारी ने उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार चौधरी परवेज इलाही के 10 महत्वपूर्ण मतों को खारिज कर दिया था। पंजाब की 368 सदस्यीय विधानसभा में हमज़ा की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ को 179 वोट मिले, जबकि इलाही की पार्टी को 176 मत हासिल हुए। इलाही की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू (पीएमएल-क्यू) के 10 मतों की गिनती नहीं की गई। इसकी वजह यह बताई गई कि उन्होंने अपनी पार्टी के प्रमुख चौधरी शुजात हुसैन के आदेशों को उल्लंघन किया था। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा समर्थित इलाही ने बाद में उच्चतम न्यायालय को रुख किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में जहरीली शराब पीने से 28 लोगों की मौत, पुलिस ने 14 लोगों पर दर्ज किया केस

अहमदाबाद। गुजरात के बोटाद जिले में कथित रूप से जहरीली शराब के सेवन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने गांधीनगर में संवाददाताओं से कहा कि अत्यधिक जहरीले मिथाइल अल्कोहल से शराब बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि हत्या और अन्य अपराधों के आरोप में 14 लोगों के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और उनमें से अधिकतर को हिरासत में लिया गया है। मामला सोमवार की सुबह तब सामने आया जब बोटाड के रोजिड गांव और आसपास के अन्य गांवों में रहने वाले कुछ लोगों को उनकी हालत बिगड़ने पर बरवाला क्षेत्र और बोटाद कस्बों के सरकारी अस्पतालों में भर्ती किया गया। भाटिया ने कहा कि जहरीली शराब के सेवन से अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। उनमें से 22 बोटाद जिले के विभिन्न गांवों के थे, जबकि छह लोग पड़ोसी अहमदाबाद जिले के थे। इसके अलावा, 45 से अधिक लोग वर्तमान में भावनगर, बोटाद और अहमदाबाद के अस्पतालों में भर्ती हैं। भाटिया ने कहा, ''फोरेंसिक विश्लेषण से पता चला है कि पीड़ितों ने मिथाइल अल्कोहल का सेवन किया था। हमने हत्या और अन्य अपराधों के आरोप में 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और अधिकतर आरोपियों को पहले ही हिरासत में ले लिया है।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री सिन्हा ने कहा, मैं निर्दलीय रहूंगा और किसी अन्य दल में शामिल नहीं होऊंगा

कोलकाता । पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा कि वह किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल नहीं होने वाले हैं। हाल में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार सिन्हा को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। सिन्हा ने राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था। सिन्हा (84) ने कहा कि उन्होंने अभी यह फैसला नहीं किया है कि वह अब सार्वजनिक जीवन में क्या भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं निर्दलीय रहूंगा और किसी अन्य दल में शामिल नहीं होऊंगा। यह पूछने पर कि क्या वह तृणमूल के नेतृत्व के संपर्क में हैं, सिन्हा ने ''नहीं'' में जवाब दिया। उन्होंने कहा, किसी ने मुझसे बात नहीं की, मैंने किसी से बात नहीं की। बहरहाल, उन्होंने कहा कि वह ''निजी आधार पर'' एक तृणमूल नेता के संपर्क में हैं। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा, मुझे देखना होगा कि (सार्वजनिक जीवन में) मैं क्या भूमिका निभाऊंगा, मैं कितना सक्रिय रहूंगा। मैं अब 84 साल का हूं, तब ये समस्याएं हैं। मुझे देखना होगा कि मैं कितने लंबे समयतक काम कर सकता हूं। भाजपा के धुर आलोचक सिन्हा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले मार्च 2021 में तृणमूल में शामिल हो गए थे। वह 2018 में भाजपा से अलग हो गए थे।

राजस्थान के करौली में प्रसूता ने एक साथ जन्में 5 शिशु, सभी की मौत, विवाह के 7 साल बाद हुई थी गर्भवती

करौली । राजस्थान में एक गर्भवती महिला ने एक साथ 5 शिशुओं को जन्म दिया है। हालांकि महिला के इन नवजात शिशुओं ने तुरंत ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार महिला की शादी के 7 साल बीत चुके थे। लेकिन अब तक यह महिला मां नहीं बन सकी थीं। कई डॉक्टरों से इलाज कराने के बाद महिला ने सोमवार को एक साथ 5 बच्चों को जन्म दिया। घर में बरसों बाद किलकारियां गूंजने से खुशी का माहौल था। लेकिन जश्न का यह माहौल जल्द ही मातम में तब्दील हो गया। जानकारी के मुताबिक, महिला के किसी भी बच्चे को बचाया नहीं जा सका है। मामला करौली जिले का है। मासलपुर क्षेत्र के पिपरानी गांव की रहने वाली 25 साल की रेशमा ने सोमवार की सुबह 5 बच्चों को जन्म दिया था। महिला की डिलीवरी 7 महीने में ही हो गई थी। हालांकि, प्री-मैच्योर डिलीवरी होने के बाद भी उस वक्त बच्चों की मां स्वस्थ थीं लेकिन बच्चे कमजोर थे। यह महिला 7 साल बाद मां बनी थी। इनमें 2 लड़के और 3 लड़कियां थीं। चिकित्सकों के मुताबिक सभी बच्चों के जन्म में एक-डेढ़ मिनट का अंतर था। बच्चों का वजन 300 से 660 ग्राम था। इलाज के लिए 2 लड़के और 2 लड़कियों की जयपुर लाते समय रास्ते में मौत हो गई, जबकि एक लड़की ने जयपुर पहुंचकर हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। महिला के पति अश्क अली केरल में काम करते हैं। महिला पहली बार मां बनी थी लेकिन अब उनके सभी बच्चों की मौत हो गई है। चिकित्सकों का मानना है कि लाखों में इस तरह का एक केस सामने आता है। जब कोई महिला एक बार में 4-5 बच्चों को जन्म देती है।

देश में सामने आए कोरोना के 14,830 नए मामले, 36 लोगों की मौत

नई दिल्ली । भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 14,830 नए मामले आने से देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,39,20,451 हो गई है। जबकि, उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,50,877 से घटकर 1,47,512 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस संक्रमण से 36 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,26,110 पर पहुंच गई है। वहीं, उपचाराधीन मामले संक्रमण के कुल मामलों का 0.34 प्रतिशत हैं, जबकि कोविड-19 से उबरने वालों की दर 98.47 प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 3,365 की कमी आई। वहीं, दैनिक संक्रमण दर 3.48 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.53 फीसदी दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में अब तक कुल 4,32,46,829 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं, जबकि कोविड-19 मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड-19 रोधी टीकों की 202.5 करोड़ से अधिक खुराक लगाई जा चुकी हैं।

गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

29 जुलाई को गुजरात में देश के पहले इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज का उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे

नई दिल्ली । देश के औद्योगिक राज्य गुजरात को बड़ी सौगात मिलने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 जुलाई को गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी में देश के पहले इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज की शुरुआत करेंगे। वह इस दौरान इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विस सेंटर अथॉरिटी यानी आईएफएससीए के मुख्यालय भवन की आधारशिला भी रखेंगे। आईएफएससी की तरफ से जारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को देश के पहले इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) का शुभारंभ करेंगे। यह एक्सचेंज भारत में सोने के वित्तीयकरण को बढ़ावा देने के अलावा, जवाबदेह सोर्सिंग और क्वालिटी के भरोसे के साथ कुशल प्राइस डिस्कवरी की सुविधा भी प्रदान करेगा। इस बुलियन एक्सचेंज को भारत में सोने के आयात का बड़ा एंट्री गेट माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि अब देश में जो भी सोना आएगा वो इसी एक्सचेंज के जरिए आएगा। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी और डॉ. भागवत किशनराव कराड भी मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि गिफ्ट सिटी गुजरात में पूरी प्लानिंग के साथ तैयार किया गया ऐसा डिस्ट्रिक्ट है, जहां पर कई फाइनेंशियल और टेक्नोलॉजी से जुड़े बिजनेस सेंटर हैं। सरकार ने गिफ्ट सिटी को सिंगापुर, दुबई और हांगकांग जैसे इंटरनेशनल फाइनेंशियल हब के मुकाबले खड़ा करने की योजना बनाई है।

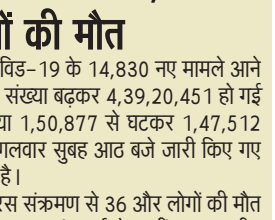

'रेवड़ी कल्चर' के मामले में हुई सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने बताया बहुत ही गंभीर मुद्दा, केंद्र को समाधान खोजने का दिया निर्देश

मुंबई। (एजेंसी)।

चुनाव से पहले पार्टियों द्वारा मुफ्त उपहार बांटने के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। भारत के मुख्य न्यायधीश ने इसे एक बहुत ही गंभीर मुद्दा बताया। इसके साथ ही सीजेआई की तरफ से केंद्र सरकार से स्थिति पर अंकुश लगाने के लिए कदम भी उठाने को कहा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय ने एक याचिका दायर की जिसमें चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह राजनीतिक दलों को चुनाव से पहले सार्वजनिक निधि से तर्कहीन मुफ्त का वादा करने या वितरित करने वाले दलों की मान्यता को रद्द किया जाए। चुनाव आयोग की तरफ से कोर्ट में पेश वकील ने बताया कि मुफ्त उपहार और चुनावी वादों से संबंधित नियमों को आदर्श आचार संहिता में शामिल किया गया है। लेकिन इसमें दंडित करने पर प्रतिबंध लगाने के लिए कोई भी कानून सरकार को बनाना होगा।

कपिल सिब्बल ने कहा- ये वित्त आयोग का काम

सीजेआई रमना ने कोर्ट में मौजूद वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से कहा कि वो भी अपने अनुभव से इस मामले में अपनी राय दे सकते हैं। सिब्बल ने कोर्ट से कहा कि इसमें केंद्र सरकार का कोई ज्यादा रोल नहीं है। ये काम वित्त आयोग को देखना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि वित्त आयोग ही निष्पक्ष एजेंसी है जो राज्यों को फंड देती है। सिब्बल ने कहा कि सीधे सरकार पर इसे नियंत्रित करने की जिम्मेदारी डालने से कोई हल नहीं निकलेगा। कोर्ट ने इस मामले के लिए सुनवाई की अगली तारीख 3 अगस्त की तय की है।

बता दें कि इसी साल जनवरी महीने में सुप्रीम कोर्ट में बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय ने एक याचिका दायर की जिसमें चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह राजनीतिक दलों को चुनाव से पहले सार्वजनिक निधि से तर्कहीन मुफ्त का वादा करने या वितरित करने वाले दलों की मान्यता को रद्द किया जाए।

भाजपा का यूटर्न ! कोलकाता में 28 जुलाई को पार्टी अब नहीं करेगी काली पूजा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के मां काली को लेकर पैदा किए गए विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा ने 28 जुलाई को कोलकाता में पार्टी कार्यालय के सामने मां काली की पूजा आयोजित करने का निर्णय किया था। लेकिन अब भाजपा ने यूटर्न ले लिया है। लेकिन इसकी वजह अभी सामने नहीं आई है। कहा जा रहा है कि भाजपा 28 जुलाई को पार्टी कार्यालय के सामने अब मां काली की पूजा का आयोजन नहीं करने वाली है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, कोलकाता में मुरलीधर लेन स्थित भाजपा मुख्यालय के सामने 28 जुलाई को होने वाली काली पूजा का आयोजन नहीं होगा। हालांकि ऐसा क्यों हो रहा है ? इसकी जानकारी नहीं है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा की महिला मोर्चा की अध्यक्ष तनुजा चक्रवर्ती ने बताया कि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है क्योंकि वह कोलकाता में नहीं हैं। हालांकि माना जा रहा है कि भाजपा काली पूजा को लेकर किसी नए विवाद में नहीं फंसना चाहती है। ऐसे में पार्टी ने अपना निर्णय बदल दिया।

रैली का किया आयोजन: भाजपा ने 28 जुलाई को होने वाली काली पूजा के आयोजन को रद्द कर दिया है लेकिन पार्टी ने पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी को लेकर कोलकाता में 28 जुलाई को एक रैली का आयोजन किया है। इसी के चलते माना जा रहा है कि पार्टी ने फिलहाल काली पूजा के आयोजन का अपना निर्णय बदला। आपको बता दें कि भाजपा ने निर्णय किया था कि काली पूजा का पूरा आयोजन महिलाएं करेंगी और पुरोहित भी महिला ही रहेंगी।

मानसून सत्र के सातवें दिन भी हंगामा जारी, राज्यसभा से विपक्ष के 19 सांसद एक हफ्ते के लिए सस्पेंड

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

संसद के मानसून सत्र का आज सातवां दिन है। सातवें दिन भी विपक्ष अलग-अलग मुद्दों को लेकर लगातार हंगामा कर रहा है। इन सब के बीच हंगामा कर रहे हैं। विपक्ष के 19 सांसदों को एक सप्ताह के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है। इनमें विभिन्न दलों के सांसद शामिल हैं। जिन सांसदों को निलंबित किया गया है उनमें तृणमूल कांग्रेस की सुष्मिता देव, मौसम नूर, शांता छेत्री, डोला सेन, अभिरंजन विश्वास और मोहम्मद नदीम उल हक शामिल हैं। इसके अलावा आर वद्दीराजू, एस कल्याणासुंदरम, आर गिररंजन, एनआर इलांगो, एम शणमुगम, दामोदर राव दिवाकोंडा और पी संदोष कुमार को भी निलंबित किया गया है। इन सांसदों को सदन के वेल में प्रवेश करके नारेबाजी करने के लिए निलंबित किया गया है। राज्यसभा में विभिन्न मुद्दों पर हंगामा कर रहे कई विपक्षी सदस्यों को इस सप्ताह की शेष बैठकों के लिए निलंबित किये जाने के बावजूद उनके सदन से बाहर नहीं जाने तथा हंगामे के कारण कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजकर 42 मिनट पर एक घंटे के लिए स्थगित किया गया है। हंगामे के कारण आज भी उच्च सदन में शून्यकाल नहीं हो पाया। सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के बीच ही उपसभापति हरिवंश ने प्रश्नकाल चलाया। हालांकि इस दौरान भी कार्यवाही 15 मिनट के लिए बाधित हुई। प्रश्नकाल समाप्त होते ही उन्होंने सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी थी। हंगामे के बीच जैविक उर्वरक, आयुष चिकित्सा प्रणाली को बढ़ावा, सागरमाला परियोजना और जीएसटी सहित विभिन्न मुद्दों पर सदस्यों ने सवाल किए और संबंधित मंत्रियों ने इनके जवाब भी दिए। उपसभापति ने आसन के समक्ष आकर हंगामा कर रहे सदस्यों से बार-बार अनुरोध किया कि वे अपने-अपना स्थान पर लौट जाएं और प्रश्नकाल के दौरान व्यवधान ना पैदा करें। हालांकि सदस्यों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने सदस्यों के इस आचरण को ''अशोभनीय'' करार दिया और कुछ सदस्यों को सदन में 'पोस्टर' लहराने पर चेतावनी भी दी।

गंगा की सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च, फिर भी जीवनदायिनी नदी प्रदूषित क्यों : वरुण गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता वरुण गांधी ने मंगलवार को गंगा नदी में प्रदूषण का मुद्दा उठाया और केंद्र सरकार से सवाल किया कि नमामि गंगे परियोजना के तहत 11,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बावजूद यह ''जीवनदायिनी'' नदी प्रदूषित क्यों है और इसकी जवाबदेही किसकी है? उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''गंगा हमारे लिए सिर्फ नदी नहीं, मां है। करोड़ों देशवासियों के जीवन, धर्म और अस्तित्व का आधार है मां गंगा। इसलिए नमामि गंगे पर 20,000 करोड़ रुपये का बजट बना।अब तक 11,000 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद नदी में प्रदूषण क्यों?''

इस ट्वीट के साथ ही गांधी ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें गंगा नदी के किनारे बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां दिख रही हैं। उन्होंने कहा, ''गंगा तो जीवनदायिनी है, फिर गंदे पानी के कारण मछलियों की मौत क्यों? जवाबदेही किसकी?'' उल्लेखनीय है कि बेरोजगारी और किसानों के मुद्दे पर वरुण गांधी पिछले कुछ समय से अपनी ही पार्टी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी बोले, किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने में किसानों से अब नहीं लिया जाता शुल्क

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सरकार ने मंगलवार को कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनवाने में पहले किसानों से शुल्क वसूल किया जाता था, लेकिन अब वह वसूली खत्म कर दी गयी है और उनसे किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। उसने यह भी बताया कि पहले केसीसी के दायरे में किसान ही आते थे लेकिन अब इसमें पशुपालकों और मछुआरों को भी जोड़ा गया है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने लोकसभा में भाजपा सांसद हेमा मालिनी के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह बात कही। हेमा मालिनी ने पूरक प्रश्न पूछते हुए कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने में दस्तावेजों की जांच के लिए वकील नियुक्त किया जाता है जिसके लिए शुल्क किसानों को देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि किसान इसे बंद करवाना चाहते हैं। उत्तर में चौधरी ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड में किसानों से चार प्रतिशत की दर से ब्याज वसूला जाता है। उन्होंने कहा कि इसमें 1,60,000 रुपये तक के ऋण के लिए कुछ गिरवी भी नहीं रखना पड़ता। उन्होंने कहा, ''इसमें किसानों को आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी सुविधाएं दी जा रही हैं। एक समय पहले किसानों से इस संबंध में शुल्क वसूला जाता था। अब वह शुल्क वसूली खत्म कर दी गयी है और अब किसानों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं वसूला जाता।''

शिवसेना प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने बागी नेताओं की तुलना सड़े हुए पत्तों से की

मुंबई (एजेंसी)।

शिवसेना प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने पार्टी के बागी नेताओं की तुलना पेड़ के 'सड़े हुए पत्तों से की। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद पता चलेगा कि लोग किसका समर्थन करते हैं। मुख्यमंत्री पद से पिछले महीने इस्तीफा देने के बाद शिवसेना के मुखपत्र सामना के साथ पहले साक्षात्कार में उद्धव ने कहा कि पार्टी के कुछ नेताओं पर अत्यधिक भरोसा करना उनकी गलती थी। महाराष्ट्र में उद्धव के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार एकनाथ शिंदे और 39 अन्य विधायकों के शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने के कारण गिर गई थी।

शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस एमवीए के घटक दल हैं। शिंदे ने बाद में राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने। उद्धव ने

कहा, ''ये विद्रोही पेड़ के सड़े हुए पत्तों की तरह हैं, इन्हें गिर ही जाना चाहिए। यह पेड़ के लिए अच्छा होता है, क्योंकि इसी के बाद नए पत्ते उगते हैं। बागी नेताओं का दावा है कि वे असली शिवसेना का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस बारे में उद्धव ने कहा कि चुनाव होने दीजिए और फिर देखते हैं कि लोग किसे चुनते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''लोग या तो हमारे पक्ष में मतदान करने वाले हैं, या फिर उन्हें वोट देने वाले हैं, यह हमेशा के लिए स्पष्ट हो जाएगा।''

यह पूछने पर कि बगावत के लिए किसे दोष दिया जा सकता है, इसके जबाव में उद्धव ने कहा, ऐसा लगता है कि मैंने शिवसेना के कुछ कार्यकर्ताओं और नेताओं पर बहुत अधिक विश्वास किया। इतने लंबे समय तक उन पर भरोसा करना मेरी गलती है।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा ने जिस प्रकार सरदार पटेल की विरासत को कांग्रेस से पृथक करने की कोशिश की, उसी तरह वह शिवसेना की स्थापना करने वाले मेरे दिवंगत पिता बालासाहेब ठाकरे और पार्टी का नाता तोड़ने का प्रयास कर रही है। उद्धव ने कहा, ऐसा लगता है कि ये लोग भरोसेमंद नहीं हैं। ये शिवसेना कार्यकर्ताओं के बीच मूल रूप से अंदरूनी कलह पैदा कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि महा विकास आघाड़ी गठबंधन राजनीति में एक अच्छी पहल थी। उद्धव ने कहा, अगर यह गठबंधन लोगों को गलत लगता, तब वे इसके खिलाफ आवाज उठाते। महा विकास आघाड़ी सरकार में हमारे मन में एक-दूसरे के प्रति सम्मान था।

गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्य होंगे तरबतर : आईएमडी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मानसून पूरे देश में मेहरबान है कई राज्यों में इन दिनों जमकर झमाझम हो रही है। मौसम विभाग ने देश के कई हिस्सों में अगले पांच दिनों तक बारिश होने की जानकारी दी है। आईएमडी के मुताबिक, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व अन्य कई राज्यों के कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है। वहीं गुजरात, कोंकण, विदर्भ, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक के तटीय हिस्सों में, तेलंगाना आदि राज्यों में आंधी तूफान के साथ हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं।

वहीं राजधानी दिल्ली में मंगलवार को भी दिनभर बादल छाए रहेंगे। कहीं कहीं हल्की बरसात या बूंदाबांदी होने की संभावना है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 और 26 डिग्री रह सकता है। दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में बुधवार से बरसात बढ़ सकती है। यूपी के कई जिलों में आज बूंदाबांदी के आसार है। 27-28 जुलाई को भारी बारिश की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। बिहार में आज कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने सिलसिलेवार ट्वीट्स करके बताया है कि 25 जुलाई से 28 जुलाई के बीच ओडिशा, झारखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक के आंतरिक हिस्सों, पुडुचेरी, तमिलनाडु और कराईकल में बारिश होगी। छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में भी आज तेज बरसात होने की उम्मीद है। ओडिशा और गुजरात की बात करें तो 26 जुलाई को यहां तेज बारिश होगी। झारखंड में 28 और 29 जुलाई को तेज बारिश की संभावना है। वहीं, तेलंगाना में 26 से 27 जुलाई तक भारी बारिश हो सकती है। कर्नाटक के आंतरिक हिस्सों में 27 से 29 जुलाई के बीच तेज बारिश होगी तो वहीं, तमिलनाडु और पुडुचेरी में आज से लेकर 29 जुलाई तक रोजाना झमाझम बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू कश्मीर में 28 और 29 जुलाई को बारिश होगी। हिमाचल प्रदेश में 26 से 27 जुलाई के बीच बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तराखंड में 26 और 27 जुलाई को तेज बारिश होने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक हरियाणा, पंजाब, बिहार जैसे राज्यों में बारिश, आंधी तूफान के आसार हैं। राजस्थान में आज और कल बारिश होगी। इसके अलावा, बिहार में 27 से लेकर 29 जुलाई तक तेज बारिश होगी। पंजाब और हरियाणा में 27 से 29 जुलाई और यूपी में 28 व 29 जुलाई को बारिश होगी। इसके बाद इन राज्यों में बारिश की गतिविधियां और बढ़ेंगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 26 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश में सामान्य बारिश का दौर देखने को मिलेगा। वहीं, 27 और 28 जुलाई को कई जगहों पर भारी बारिश देखने को मिलेगी। पश्चिम उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई को लेकर येलो अलर्ट और पूर्वी यूपी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी

किया गया है। इसके बाद 28 जुलाई को पश्चिम और पूर्वी यूपी में आरेंज अलर्ट रहेगा यानी इस दिन भारी बारिश के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 27 और 28 जुलाई को भारी बारिश के कारण उत्तर प्रदेश के सामान्य तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 29 और 30 जुलाई को बौछारों का दौर रहेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नाबालिग लड़की का अपहरण कर युवक ने किया दुष्कर्म,पुलिस जांच शुरू

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, शहर के लिंबायत क्षेत्र की सोसायटी में रहनेवाली एक नाबालिग लड़की का स्थानीय युवक ने मोटर साइकिल पर अपहरण किया और बाद में सूनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर लिंबायत पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक लिंबायत क्षेत्र की एक सोसायटी में रहनेवाले कैलाश दिनकर कोली नामक युवक ने उसी सोसायटी में रहनेवाली नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर अपनी मोटर साइकिल पर बिठाया। लड़की के बाइक पर बैठने के बाद कैलाश उसे निर्जन स्थल पर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद कैलाश ने लड़की से कहा कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो वह उसे जान से मार देगा।

हांलाकि शाम को जब लड़की अपने घर लौटी तो मां को आपबीती सुना दी। माता ने लड़की के पिता को बताया और बाद में परिवार ने लिंबायत पुलिस थाने में कैलाश कोली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत , यहां के अतिरिक्त जिला सत्र न्यायालय ने शहर के पूणा क्षेत्र की तीन साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के आरोपी दोषी करार देते हुए फांसी की सजा का आदेश दिया है। तीन महीने पुरानी इस मामले की 91वें दिन की सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला दिया है। बता दें कि घटना 14 अप्रैल 2022 की जब सूरत के पूणा क्षेत्र की 3 साल की बच्ची फूटपाथ से रामप्रसाद उर्फ ललनसिंह महेशसिंह गौण ने अपहरण किया था। बच्ची का अपहरण कर आरोपी उसे लेकर निकट के बस पार्किंग में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के बाद आरोपी गला घोंटकर उसकी हत्याकर दी। इतना ही नहीं हत्या के बाद आरोपी ने बच्ची का शव भी दफना दिया था। सूरत पुलिस ने आरोपी रामप्रसाद को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी। सूरत के अतिरिक्त जिला

न्यायधीश डीपी गोहिल ने आज मंगलवार को मुख्य सरकारी वकील नयन एल सुखडवाला की संतोषजनक दलीलें और आरोपी के खिलाफ मजबूत सबूतों के आधार पर आरोपी रामप्रसाद को दफा 363 के मामले में तीन साल की कड़ी सजा और रु 1000 जुर्माना, दफा 377 के तहत 10 वर्ष की कड़ी सजा और रु2000 जुर्माना, दफा 302 के मामले में फांसी की सजा और रु 3000 जुर्माना, पोक्सो एक्ट के तहत 3(ए) और 4 के मामले में 10 वर्ष की कड़ी सजा और रु 1000 जुर्माना, पोक्स एक्ट की धारा 5(आई) (एम) और 6 के मामले में 10 वर्ष की सजा और रु 2000 जुर्माना, पोक्सो एक्ट की धारा 7 और 8 के मामले में 3 साल कीसजा और रु 5000 जुर्माने का आदेश दिया है। साथ ही पीड़ित परिवार को मुआवजा के तौर पर गुजरात विक्टिम शिड्युल के मुताबिक रु 3 लाख का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

गुजरात में शराब बंदी के बाद भी 36 की मौत 30 अस्पताल में भर्ती और 15 आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बोटाद जिले के बरवाला के रोजिड गांव में जहरीली शराब के सेवन से 36 लोगों की मौत हो गई है. जिसमें बोटाद के 25 और धंधुका के 11 लोगों की मौत हुई है.30 और लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

गुजरात को झकझोर देने वाली यह घटना सोमवार को घटी। लता कांड के मुख्य आरोपी जयेश को पीपलज से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी ने 600 लीटर केमिकल मुहैया कराया था। मेथनॉल AMOS केमिकल कंपनी से खरीदा गया था। एटीएस क्राइम ब्रांच की टीम कंपनी पहुंच गई है।

प्रेस कांफ्रेंस

बोटाड एसपी डॉ.करनराज वाघेला ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि लठाकांड का पहला मामला रोजिड गांव में हुआ।पूरी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की 10 से ज्यादा टीमें गठित कर दी गईं।पुलिस ने सरपंच और स्वास्थ्य टीम के साथ आसपास के गांवों में जांच की.रोजिड गांव में गजुबेन ने खुद लोगों को केमिकल दिया।इस रसायन को गजुबेन ने पिंटू और लाल से खरीदा था। 22 मौतों के मामले में बरवाला और रानपुर के थानों में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने करीब 21 अलग-अलग लोगों से पूछताछ शुरूकर दी है।बरवाला शिकायत में 13 में से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और रानपुर में 11 लोगों के खिलाफ शिकायत में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.इस रसायन से कोई अल्कोहल नहीं बनता है।रसायन को सीधे पानी में डाला गया और सेवन किया गया।

गिरफ्तार आरोपितों के नाम

1-गजुबेन वडुरिया, निवासी- रोजिंद, बरवाला
2- पिंटू देवीपुजक, रेस.चौकड़ी, बरवाला
3-विनोद कुमारखानिया, रेस.नभोई
4-संजय कुमारखानिया, रेस.नभोई
5- हरेश अंबालिया, रेस.धंधुका
6- जतुभा लालूभा, रेस ।रणपरी
7- विजय पाढियार, रेस.रामपारा
8- भवन नारायण, रेस ।वेया
9- सनी रतिलाल, रेस ।पोलरपुर
10- नसीब छना, रेस.चौकड़ी
11- राजू, रेस.अहमदाबाद
12- अजीत कुमारखानिया, रेस ।ब्लॉक
13- भवन रामू, रेस.नभोई
14- यमनरसिक , रेस ।चौरागा

देशी शराब रैकेट के कारण धंधुका और बरवाला तालुक गांव के लोग मारे गए थे

1. जयंतीभाई रामजीभाई चेखलिया गांव उचडी जिला धंधुका
2. गागजीभाई मोहनभाई चेखलिया गांव उचडी जिला धंधुका,
3. बलदेवभाई हरजीभाई मकवाना गांव.अनियाली भीमजी
4. हिम्मतभाई मगनभाई वडुरिया गाँव।अनियाली भीमजी डीटी।
5. किशनभाई मावजीभाई चावड़ा डीटी। धंधुका 37 गांव अक्रू
6. भावेशभाई मावजीभाई चावड़ा डीटी। धंधुका 27 गांव अक्रू
7. प्रवीणभाई बालूभाई कुवारिया धुरंधर डी
8. वी. डी. वी. डी. 30 गांव। रोजिड डीटी।बरवाला
9. घनश्यामभाई वर्शीभाई रतोजा 34 गांव.रोजिद जिला बरवाला
10. शांतिभाई तलशीभाई परमार 50 गांव.रोजिद जिला बरवाला
11. अरविंदभाई मधुभाई सीतापारा 35 गांव.चंदरवा जिला.रणपुर
12. इरशादभाई फकीरभाई कुरैशी ग्राम चंदेरवा, डीटी ।रानपुर
13. दिनेश वाहनभाई वीरगामा गांव 37 गांव रोजिद बरवाला
14. भूपतभाई विरगामा गांव रोजिड
15. बहादुरभाई लघरभाई वलनिया गांव ५० रानपुर

अस्पताल में इलाज करा रहे लट्ठकांड के मरीज

1. चंदूभाई कांतिभाई चेखलिया गांव। उचड़ी दाते.धंधुका
2. रमेशभाई मगनभाई वडुरिया गांव.अनियाली भीमजी दाते.
3. मनसुखभाई करशनभाई देलोजा गांव.अनियाली तारीख
4. विपुलभाई विनुभाई कावड़िया गांव.रोजिद. बरवाला
5. टिकाभाई भूपतभाई खोड़ा गाँव। तारीख। बरवाला
6. धुड़ाभाई रणछोड़भाई बलोलिया गाँव । तारीख। बरवाला
7. दीपकभाई रणछोड़भाई बलोलिया गाँव। तारीख। बरवाला
8. हिम्मतभाई मुलजीभाई गाँव। तारीख बरवाला
9. विनुभाई हनुभाई खोड़ा गाँव । रोजिद। डी.बरवाला
10. देवजीभाई नानूभाई खोड़ा गांव.रोजिद.डी.बरवाला
11. बलवतभाई शांतिभाई परमार गांव.रोजिद.डी.बरवाला
12. अनिलभाई गांव बलदेवभाई परमार.रोजिद.डी.बरवाला
13. रमेशभाई राजूभाई कविठिया गांव.रोजिद.ता.बरवाला
14. वलजीभाई पठानभाई झाला गांव.दिनांक.बरवाला
15. भरतभाई भानभाई कविठिया गांव.तारीख.दिनांक.
16. विक्रमभाई गोराभाई दाभी गांव.तारीख.तारीख.बरवाला
17. राजेशभाई वलजीभाई सोलंकी गांव.तारीख.दिनांक.
18. घनश्यामभाई कल्याणभाई विरगामा गांव.तारीख.
19. मुकेशभाई हमलभाई परमार गांव.तारीख.दिनांक.
20. शंकरभाई दीपसांगभाई राठवा गांव.तारीख.दिनांक.
21. सीताबेन देवरसिंह चौहान गांव.तारीख.दिनांक.बरवाला
22. भूपतभाई लगरभाई वालानिया गांव.चंदरवा दिनांक
23. बहादुरभाई लघरभाई वालानिया ग्राम चन्देरवा डीटी ।रणपुर
24. शैलेशभाई बाबूभाई में सीतापारा गांव शामिल हैं। चंदरवा जिला। रानपुर।

पुलिस सूत्रों से जानकारी मिली है कि धंधुका-बरवाला में दंगे कराने वाली जहरीली शराब बनाने के लिए अहमदाबाद से *60* लीटर केमिकल मंगवाया गया है.इसके साथ ही अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और एटीएस ने भी पूरी घटना की जांच शुरू कर दी है.